सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 178 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, रविवार 12 अप्रैल 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

बदली जाएंगी आंगनबाड़ियों में वितरित साड़ियां, कम लंबाई की शिकायत के बाद एक्शन मोड़ में विभाग

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को वितरित की गई कम लंबाई और खराब गुणवत्ता वाली साड़ियों को बदला जाएगा। महिला एवं बाल विकास विभाग ने सभी जिलों में कार्यक्रम अधिकारियों को इस संबंध में निर्देश दिए हैं। विभाग ने कहा है कि वे साड़ियों की जांच करें और जहां भी मापदंड (5.5 मीटर) से कमी पाई जाए, उन्हें तत्काल वापस लेकर दूसरी साड़ियां दी जाएं। विभाग ने स्पष्ट किया है कि कहीं भी मापदंड से कम लंबाई की साड़ियों का वितरण न किया जाए।

बता दें महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा प्रदेश भर में संचालित आंगनवाड़ियों में कार्यकर्ता व सहायिकाओं के लिए साड़ियों का वितरण किया गया था। वितरण के बाद ऐसी शिकायतें मिली जिसमें कहा गया कि साड़ियों की लंबाई तय मानक 6.50 मीटर से कम 5.50 मीटर है। इसके कारण इसे पहनना मुश्किल हो रहा है। महिला एवं बाल विकास विभाग तक जब यह बात पहुंची तो इसे गंभीरता से लेते हुए जांच का निर्देश दिया गया।

मानकों के अनुरूप दी जाएंगी नई साड़ियां

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा स्पष्ट किया गया है कि खराब साड़ियों को वापस लेकर मानकों के अनुरूप नई साड़ियां दी जाएंगी। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा राज्यभर में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को साड़ी वर्दी के रूप में वितरित की गई थी। यह वितरण केंद्र सरकार के प्रावधानों के तहत किया जाता है, जिसके अनुसार प्रत्येक कार्यकर्ता और सहायिका को साल में दो साड़ियां दी जाती हैं। प्रति साड़ी 500 रुपए की लागत निर्धारित है। इसी आधार पर राज्य में लगभग 1.94 लाख साड़ियों की आपूर्ति का आदेश छत्तीसगढ़ खादी एवं ग्रामोद्योग से जुड़ी एजेंसी को दिया गया था। विभाग द्वारा साड़ियों के रंग, डिजाइन और लंबाई के स्पष्ट मानक तय किए गए थे। नियमानुसार साड़ी की लंबाई 5.50 मीटर और ब्लाउज पीस सहित कुल लंबाई 6.30 मीटर निर्धारित की गई थी। इसमें 5% तक की सहनशीलता रखी गई है, अर्थात 5.50 मीटर की साड़ी 5.25 मीटर तक तथा 0.80 मीटर के ब्लाउज पीस की लंबाई 0.76 मीटर तक हो सकती है। इस प्रकार कुल लंबाई 6.00 मीटर से 6.30 मीटर के बीच स्वीकार्य है, जो कि बाजार में प्रचलित मानक आकार भी है।

विभाग ने कराई जांच

साड़ियों की आपूर्ति से पहले नमूनों की गुणवत्ता की जांच तकनीकी एजेंसी राइट्स लिमिटेड, मुंबई द्वारा कराई गई थी, जिसमें नमूने मानकों के अनुरूप पाए गए थे। हालांकि वितरण के बाद दुर्ग, धमतरी, रायगढ़ और कबीरधाम जिलों से कई शिकायतें सामने आईं। इनमें कुछ साड़ियों की लंबाई कम होने, कुछ के क्षतिग्रस्त होने और रंग छोड़ने जैसी समस्याएं बताई गईं। शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए महिला एवं बाल विकास विभाग ने तत्काल जांच समिति गठित कर पूरे मामले की जांच कराई। जांच में पाया गया कि कुछ साड़ियों की लंबाई निर्धारित मानक से कम थी और बुनाई में भी खामियां थीं।

एक सप्ताह के भीतर भेजें क्षतिग्रस्त साड़ियों की रिपोर्ट

विभाग ने यह भी स्पष्ट किया कि चूंकि साड़ियां सूती की हैं, इसलिए पहली धुलाई में कहीं कहीं रंग छोड़ने की स्थिति सामने आई, बाद में रंग सामान्य हो गया। मामले के सामने आने के बाद शासन ने सभी जिलों को निर्देश जारी किए हैं कि वे साड़ियों की दोबारा जांच करें और जहां भी लंबाई कम या साड़ियां क्षतिग्रस्त पाई जाएं, उनकी रिपोर्ट एक सप्ताह के भीतर भेजें। साथ ही छत्तीसगढ़ खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड को निर्देशित किया गया है कि जिन साड़ियों में खामी पाई गई है, उन्हें तुरंत बदलकर नई एवं मानक के अनुरूप साड़ियां उपलब्ध कराई जाएं। साथ ही बाजार में साड़ियों के दाम की जांच करने पर यह पाया गया कि इसी प्रकार की साड़ियां 475 से 600 रुपये के बीच उपलब्ध हैं, जो आपूर्ति की गई साड़ियों के मूल्य के अनुरूप है।

खास-खबर

तीन जुलाई से अमरनाथ यात्रा शुरू, 28 अगस्त तक चलेंगे दर्शन

जम्मू। श्री अमरनाथ जी यात्रा 2026 का शुभारंभ तीन जुलाई से होगा और यह पवित्र यात्रा 57 दिनों तक चलकर 28 अगस्त को संपन्न होगी। इस यात्रा की घोषणा उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड की बैठक के बाद की। उन्होंने बताया कि यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन 15 अप्रैल से शुरू होंगे और यह अनिवार्य रहेगा। देशभर में 556 अधिकृत बैंक शाखाओं के माध्यम से अग्रिम पंजीकरण किया जा सकेगा, जबकि ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की सुविधा भी उपलब्ध होगी। यात्रा के लिए आयु सीमा 13 से 70 वर्ष तय की गई है। श्रद्धालु पारंपरिक 48 किलोमीटर लंबे पहलगाम मार्ग और 14 किलोमीटर छोटे लेकिन कठिन बालटाल मार्ग से बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए यात्रा कर सकेंगे। इस वर्ष की प्रथम पूजा ज्येष्ठ पूर्णिमा, 19 जून को आयोजित की जाएगी। प्रशासन ने यात्रा को सुरक्षित और सुचारु रूप से संपन्न कराने के लिए तैयारियां तेज कर दी हैं।

दर्दनाक घटना : बेटे की मौत के सदमे में पिता ने की आत्महत्या

बालोद। जिले के ग्राम खल्लारी से एक बेहद भावुक और दुखद घटना सामने आई है, जहां बेटे की मौत का गम सहन नहीं कर पाए एक पिता ने फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। इस घटना के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल है।मृतक की पहचान 40 वर्षीय नामदेव साहू के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, उनके 17 वर्षीय बेटे वेदप्रकाश की करीब तीन महीने पहले अचानक हार्ट अटैक से मौत हो गई थी। बताया गया कि उस समय वेदप्रकाश मोबाइल देख रहा था, तभी उसकी तबीयत बिगड़ी और उसकी मौत हो गई। बेटे की असमय मौत के बाद से ही नामदेव साहू गहरे सदमे में थे। शनिवार सुबह करीब 9 बजे गांव के पथर्री तालाब के पास स्थित एक पीपल के पेड़ पर नामदेव का शव फंदे पर लटका मिला। घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई कर शव को नीचे उतारा और पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा।

तेज रफ्तार वाहन ने पांच लोगों को रौंदा, सभी की मौके पर मौत

डिंडौरी। मध्य प्रदेश के डिंडौरी जिले से एक हृदयविदारक खबर सामने आई है। यहां गाड़ा सरई थाना क्षेत्र के किकरा तालाब गांव के पास एक अनियंत्रित कैप्सूल वाहन ने सड़क किनारे बैठे पांच लोगों को बेरहमी से कुचल दिया। हादसे में पांचों व्यक्तियों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों में पिता-पुत्र भी शामिल हैं। घटना जबलपुर-अमरकंटक नेशनल हाईवे पर रात करीब 12:30 बजे की है। जानकारी के अनुसार परसवाह गांव के निवासी एक पिकअप से सिलयारी गांव में एक 'चौक कार्यक्रम' से लौट रहे थे। किकरा तालाब के पास पिकअप का टायर पंक्चर हो गया। ड्राइवर सड़क किनारे गाड़ी खड़ी कर टायर बदल रहा था, जबकि पिकअप में सवार लोग नीचे उतरकर पास में ही बैठ गए थे। इसी दौरान अमरकंटक की ओर से आ रहे तेज रफ्तार कैप्सूल ने इन लोगों को अपनी चपेट में ले लिया।

नहीं रहीं दिग्गज गायिका आशा भोसले 92 की उम्र में दुनिया को कहा अलविदा

मुंबई। बॉलीवुड कर प्रसिद्ध गायिका आशा भोसले नहीं रहीं। रविवार को मुंबई के ब्रीचकैंडी अस्पताल में उन्होंने दुनिया को अलविदा कह दिया है। वे 92 साल की थी। आशा भोसले के निधन पर फिल्म इंडस्ट्री के दिग्गजों ने शोक व्यक्त किया है। वहीं देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से लेकर तमाम नेताओं ने आशा भोसले के निधन पर अपनी गहरी संवदेना जताई है।

बता दें कि मशहूर पार्श्व गायिका आशा भोसले को कार्डियक अरेस्ट के बाद शनिवार 11 अप्रैल को मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया। रात को आशा भोसले की पोती जनाई भोसले ने उनकी हेल्थ अपडेट दी थी। जनाई भोसले ने इंस्टाग्राम पर लिखा 'थकावट और सीने में इंफेक्शन के कारण उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। पोती के हेल्थ अपडेट के बाद रविवार दोपहर को दुखद खबर सामने आई। आशा भोस्ले अब हमारे बीच नहीं रही।

आशा भोसले मशहूर थिएटर एक्टर और क्लासिकल सिंगर दीनानाथ मंगेशकर की बेटी और महान गायिका लता मंगेशकर की छोटी बहन हैं। जब वो सिर्फ 9 साल की थीं तब उनके पिता का निधन हो गया था, जिसकी वजह से उन्होंने बहन लता मंगेशकर के साथ मिलकर परिवार को सपोर्ट करने के लिए सिंगिंग शुरू कर दी थी। आशा भोसले ने अपने करियर में 12,000 से ज्यादा गाने गाए हैं। उनके दम मारो दम, पिया तू अब तो आजा और चुरा लिया है तुमने जैसे गाने आज भी सदाबहार हैं। आशा भोसले के लिए संगीत का सफर इतना भी आसान नहीं था।

छत्तीसगढ़ में बढ़ेगी तपिश, 14 अप्रैल के बाद हीटवेव का अलर्ट

रायपुर। छत्तीसगढ़ में अब गर्मी ने अपने तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं और आने वाले दिनों में तापमान तेजी से बढ़ने की संभावना जताई गई है। अनुमान है कि अगले कुछ दिनों में अधिकतम तापमान करीब 4 डिग्री सेल्सियस तक बढ़कर 42 डिग्री के आसपास पहुंच सकता है। मौसम विभाग के अनुसार, 14 अप्रैल के बाद प्रदेश के कई हिस्सों में ग्रीष्म लहर यानी हीटवेव चलने के हालात बन सकते हैं। इसका सबसे ज्यादा असर रायपुर, दुर्ग और बिलासपुर संभागों में देखने को मिल सकता है, जहां दोपहर के समय तेज धूप और गर्म हवाएं लोगों के लिए परेशानी का कारण बनेंगी। मौसम साफ होने के चलते सूरज की तपिश अब ज्यादा महसूस की जा रही है। मौसम की वर्तमान स्थिति पर नजर डालें तो दक्षिण छत्तीसगढ़ से लेकर विदर्भ, मराठवाड़ा, आंतरिक कर्नाटक और तमिलनाडु तक एक उत्तर-दक्षिण दिशा में फैला चक्रवाती परिसंचरण सक्रिय है।

नहीं रूकेगा युद्ध : ईरान-अमेरिका के बीच 21 घंटे चली बातचीत बेनतीजा

- **अमेरिकी उपराष्ट्रपति बोले- उन्हें बेस्ट ऑफर दिया, ईरान बोला- ट्रम्प की शर्तें ज्यादा सख्त**

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में ईरान और अमेरिका के बीच शांति को लेकर चल रही बातचीत बेनतीजा रही। यह 21 घंटे से ज्यादा समय तक चली। रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनों के बीच होर्मुज स्ट्रेट खोलने और न्यूक्लियर प्रोग्राम पर पेंच फंसा है।

वेंस अपनी टीम के साथ अमेरिका के लिए रवाना हो गए हैं। लौटने से पहले उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा कि अमेरिका बिना डील के लौट रहा है। यह अमेरिका से ज्यादा ईरान के लिए बुरी खबर है। उन्होंने यह भी कहा कि किसी

भी समझौते के लिए जरूरी है कि ईरान ये वादा करे कि वह परमाणु हथियार नहीं बनाएगा। अमेरिका की शर्तें स्पष्ट थीं, लेकिन ईरान ने उन्हें नहीं माना। वेंस ने यह भी कहा कि आगे समझौते की संभावना पूरी तरह खत्म नहीं हुई है। उन्होंने कहा, हम उन्हें बेस्ट ऑफर देकर जा रहे हैं। अब देखना है कि ईरान इसे मानता है या नहीं। वहीं, ईरान ने कहा कि अमेरिका की शर्तें जरूरत से ज्यादा सख्त थीं। इस वजह से समझौते का रास्ता नहीं निकल पाया।

सीएम साय के काफिले में 6 नई बुलेटफ्रूफ गाड़ियां शामिल, पूर्व सीएम के कार्यकाल की फार्च्यूनर बाहर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के काफिले में बड़ा बदलाव हुआ है। सीएम साय के काफिले में 6 नई बुलेटफ्रूफ गाड़ियों को शामिल किया गया है। अब तक पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के कार्यकाल में खरीदी गई टोयोटा फॉर्च्यूनर गाड़ियों का उपयोग किया जाता था, लेकिन अब उनकी जगह 6 नई महिंद्रा स्कॉर्पियो ने ले ली है।

मुख्यमंत्री के काफिले में करीब ढाई साल बाद बदलाव हुआ। इस बदलाव पर खुद मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने भी

प्रतिक्रिया दी। उन्होंने बताया कि पुरानी टोयोटा फॉर्च्यूनर गाड़ियां लंबे समय से उपयोग में थीं और कई बार दौरे के दौरान बीच रास्ते में बंद हो जाती थीं। इससे सुरक्षा और आवागमन दोनों में परेशानी होती थी। इसी वजह से नई महिंद्रा स्कॉर्पियो गाड़ियों को काफिले में शामिल करने का निर्णय लिया गया।

सुरक्षा फीचर्स से लैसे है नई गाड़ियां

नई स्कॉर्पियो गाड़ियां बुलेटप्रूफ हैं और आधुनिक सुरक्षा फीचर्स से लैस हैं, जिससे मुख्यमंत्री की सुरक्षा और भी मजबूत मानी जा रही है। अधिकारियों के अनुसार वीआईपी मूवमेंट के लिए इन गाड़ियों को खास तौर पर तैयार किया गया है। एडास सिस्टम की वजह से चलते-चलते ऑटोमेटिक ब्रेक लगाने और लेन बदलने में मदद मिलती है। साथ ही जब काफिले में कई गाड़ियां होती हैं, तो आगे वाली कार से सही दूरी बनाए रखने में भी मदद मिलती है। कार के अंदर बैठे लोगों की सुरक्षा के लिए 6 एयरबैग मौजूद हैं और लंबी दूरी को समय पर पूरा करने के लिए दमदार इंजन है।

फंदे पर लटकते मिली महिला कॉन्स्टेबल की लाश, पुलिस कॉलोनी में अकेले रहती थी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर में शनिवार देर रात महिला कॉन्स्टेबल की लाश फांसी के फंदे पर लटकते मिली, जो कि पुलिस कॉलोनी में रहती थी। पुलिस ने दरवाजा तोड़कर शव को कब्जे में लिया। पुलिस का कहना है कि मामले की हर एंगल से जांच की जा रही है। मामला आजाद चौक थाना क्षेत्र का है। महिला कॉन्स्टेबल को नाम पूजा कुशवाहा है।

पुलिस ने मामले की जानकारी महिला कॉन्स्टेबल के परिजनों के दे दी है। वहीं इस घटना के बाद घटना के बाद पुलिस कॉलोनी में हड़कंप मच गया। आजाद चौक पुलिस के अनुसार शनिवार रात

साढ़े 8 बजे आरक्षक के सुसाइड की सूचना मिली। आरक्षक पूजा कुशवाहा अपने घर में अकेले रहती थी। पड़ोसियों ने खिड़की से झांका तो पूजा की लाश फंदे से लटक रही थी। उन्होंने फौरन इनकी जानकारी थाने में दी।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और गेट तोड़कर शव को बाहर निकाला। मामले में मर्ग कायम कर जांच की जा रही है। मामले में एडिशनल डीसीपी राहुल देव शर्मा ने बताया कि प्रारंभिक जांच में मामला आत्महत्या का लग रहा है। हालांकि इसके पीछे के वास्तविक कारणों का खुलासा जांच के बाद ही हो सकेगा। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

एडिशनल डीसीपी ने कहा कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है। मृतका के पारिवारिक और व्यक्तिगत जीवन से जुड़े पहलुओं को भी खंगाला जा रहा है। सहकर्मियों और परिजनों से पूछताछ की जा रही है, ताकि घटना के पीछे की वजह सामने आ सके। उन्होंने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

महिला आरक्षण पर चर्चा से पूर्व भाजपा का व्हिप 16 से 18 अप्रैल तक संसद में रहें सभी सांसद

- **पार्टी ने लोकसभा और राज्यसभा के सभी सदस्यों के लिए जारी किया निर्देश**

श्रीकंचनपथ न्यूज

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आगामी विशेष संसद सत्र को लेकर अपने सभी सांसदों के लिए सख्त निर्देश जारी किए हैं। पार्टी ने लोकसभा और राज्यसभा के सभी सदस्यों के लिए तीन लाइन का व्हिप जारी करते हुए 16 से 18 अप्रैल तक सदन में अनिवार्य उपस्थिति सुनिश्चित करने को कहा है।

पार्टी की ओर से स्पष्ट निर्देश दिया गया है कि इस अवधि के दौरान

किसी भी सांसद या केंद्रीय मंत्री को छुट्टी नहीं दी जाएगी। सभी सदस्यों को लगातार सदन में उपस्थित रहने और संसद की कार्यवाही में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने को कहा गया है। सूत्रों के अनुसार, यह विशेष संसद सत्र महिला आरक्षण संशोधन विधेयक पर चर्चा के लिए बुलाया गया है। सरकार का लक्ष्य इस ऐतिहासिक विधेयक पर व्यापक बहस और आगे की प्रक्रिया को तेज करना है।

भाजपा द्वारा जारी पत्र में कहा गया है 'गुरुवार से शनिवार, 16 से 18 अप्रैल 2026 तक, लोकसभा और राज्यसभा के सभी भाजपा सदस्यों के लिए तीन-लाइन व्हिप जारी किया जा रहा है। सभी केंद्रीय मंत्रियों और सदस्यों से अनुरोध है कि वे उपरोक्त सभी तीन दिनों के दौरान सदन में उपस्थित रहें। सदन में उपस्थिति अनिवार्य है। कोई छुट्टी स्वीकृत नहीं की जाएगी। सदस्यों से अनुरोध है कि वे व्हिप का कड़ाई से पालन करें और सदन में अपनी निर्बाध उपस्थिति सुनिश्चित करें। आपके सहयोग की अत्यधिक सराहना की जाती है।'

संपादकीय

तीन राज्यों के चुनाव में बंपर वोटिंग का संदेश

देश में पांच राज्यों के चुनाव में से तीन राज्यों असम,केरल व पुड्डुचेरी विधानसभा के लिए रिकार्ड मतदान हुआ है। राज्य विधानसभा चुनाव में कम मतदान होता है तो उसका कुछ मतलब निकाला जाता है और ज्यादा मतदान होता है तो उसका कुछ मतलब निकाला जाता है। मतदान कम हो या ज्यादा उसका अपना मतलब निकाला जाता है। तीनों राज्यों में बंपर वोटिंग हुई है तो इसका मतलब तीनों राज्यों के लिए एक सा भी निकाला जा सकता है और तीनों राज्यों के लिए इसका मतलब अलग अलग भी निकाला जा सकता है। राज्यों के सरकार के कामकाज के आधार पर ही जनता तय करती है कि सरकार को बनाए रखना है या बदलाव करना है। चुनाव आयोग के मुताबिक असम में 85.64 प्रतिशत, केरल में 78.28 प्रतिशत और पुड्डुचेरी में 89.81 प्रतिशत वोटिंग हुई है। आंकड़ों के मुताबिक तो असम व पुड्डुचेरी में यह अब तक की सबसे ज्यादा वोटिंग है। इससे पहले असम में 2016 में 84.72 व पुड्डुचेरी में 2011 में 85.57प्रतिशत हुआ था। इसी तरह केरल में 39 साल पहले यानी 1987 में 80.56 प्रतिशत मतदान हुआ था। माना जा रहा है कि मतदान का अंतिम आंकड़ा आने पर तीनों राज्यों में वोटिंग प्रतिशत और बढ़ सकता है। केरल के 2021 की वोटिंग की तुलना की जाए तो तब केरल में 74.06 प्रतिशत वोट पड़े थे यानी पिछली बार की तुलना में इस बार 4 प्रतिशत वोट ज्यादा पड़े हैं। इसी तरह असम में इस बार 85.64 की तुलना में 21 में 82.04 प्रतिशत वोट पड़े थे यानी इस बार असम में 3.60 प्रतिशत वोट ज्यादा पड़े हैं।इसी तरह पुड्डुचेरी में 21 में 77.9 की तुलना में 26 में 89.81 प्रतिशत वोट पड़े हैं यानी 11.91 प्रतिशत वोट ज्यादा पड़े हैं।

> “ केरल के 2021 की वोटिंग की तुलना की जाए तो तब केरल में 74.06 प्रतिशत वोट पड़े थे यानी पिछली बार की तुलना में इस बार 4 प्रतिशत वोट ज्यादा पड़े हैं। इसी तरह असम में इस बार 85.64 की तुलना में 21 में 82.04 प्रतिशत वोट पड़े थे यानी इस बार असम में 3.60 प्रतिशत वोट ज्यादा पड़े हैं।इसी तरह पुड्डुचेरी में 21 में 77.9 की तुलना में 26 में 89.81 प्रतिशत वोट पड़े हैं यानी 11.91 प्रतिशत वोट ज्यादा पड़े हैं।

आमतौर पर मतदान प्रतिशत बढ़ने के दो मतलब निकाले जाते हैं पहला मतलब निकाला जाता है कि सरकार के विरोध मे लहर है और दूसरा मतलब निकाला जाता है कि सरकार के पक्ष में लहर है। असम में हिमंत विस्वा सरमा की सरकार है और मतदान के पहले जितने सर्वे या ओपिनियन पोल आए सब में बताया तो यही गया है कि हिमंत की सरकार वापसी कर रही है क्योंकि उन्होंने पांच साल अच्छा काम किया है। यानी उनके खिलाफ जनता में कहीं नाराजगी नहीं है या है तो इतनी कम है कि उससे चुनाव का रिजल्ट प्रभावित नहीं हो रहा है। 2014 पहले माना जाता था कि पांच साल या दस साल किसी राजनीतिक दल के सत्ता में रहने पर जनता में उसके प्रति नाराजगी होती है लेकिन 2014 के बाद माना यह जाता है कि सरकार अच्छा काम करती है तो जनता उसे दूसरी बार नहीं तीसरी बार भी मौका देती है। हिमंत विस्व सरमा कभी असम में कांग्रेस के नेता हुए करते थे,अपनी उपेक्षा से वह भाजपा आए और आज असम में भाजपा को मजबूत बनाए हुए हैं। कांग्रेस और राहुल गांधी असम में भाजपा से ज्यादा हिमंत को हराने का सपना देख रही है क्योंकि राहुल गांधी यही चाहते हैं। राहुल गांधी ऐसा क्यों चाहते हैं क्योंकि राहुल गांधी की सबसे ज्यादा आलोचना हिमंत ने किया है,इससे राहुल गांधी की छबि धूमिल हुई है लेकिन लगता नहीं है कि कांग्रेस हिमंत के चुनाव में हरा सकेगी और राहुल गांधी का उनको जेल भेजने का सपना पूरा होगा। इसकी वजह यह है कि हिमंत ने पांच साल राज्य में किसी कांग्रेस नेता की तरह नहीं भाजपा नेता की तरह काम किया है यानी नो भ्रष्टाचार। इससे हिमंत की छबि जनता में साफसुथरी व कामकरने वाले नेता की बनी हुई है। असम को ऐसा नेता बरसों बाद मिला है, इसलिए माना जा रहा है कि जनता उन्हें फिर से काम करने का मौका देगी। जहां तक पुड्डुचेरी का सवाल है तो यहां एनडीए कांग्रेस के गठबंधन की तुलना में मजबूत है और एनडीए की सरकार ने यहां पांच साल में अच्छा काम किया है। सरकार के अच्छे काम के कारण ही यहां ज्यादा वोटिंग को सरकार के पक्ष में लहर माना जा रहा है। वहीं केरल में कांग्रेस पिछली बार चुनाव हार गई थी इसलिए वह उम्मीद कर रही है कि इस बार यहां कांग्रेस के जीतने की संभावना ज्यादा है। कांग्रेस का मानना है कि यहां की वामपंथी सरकार पहले जैसी वामपंथी नहीं रह गई है, इसलिए जनता इस बार उसको हराएगी। जबकि मौजूदा सरकार को जीत की उम्मीद इसलिए है कि उसने जनता के हित में कई काम किए है, जनता को उसका लाभ मिला है इसलिए जनता उनको एक बार और मौका जरूर देगी। जहां तक भाजपा का सवाल है तो भाजपा इस बार कुछ सीटें जीत सकती हैं और उसका जनाधार पहले बढ़ सकता है।

पानी आपूर्ति की निरंतरता व शुद्धता जरूरी

पंकज चतुर्वेदी

बजट में जल सुविधा विस्तार के लिए सरकार ने बड़ी राशि का प्रावधान किया है लेकिन जब तक सरकार ‘नल’ लगाने की संख्या की होड़ छोड़कर ‘जल’ की गुणवत्ता, वर्षा जल संचयन और जवाबदेह प्रबंधन पर ध्यान नहीं देगी, तब तक बजट की घोषणाएं सार्थक न होंगी।

भारत दुनिया की लगभग 18 प्रतिशत आबादी का घर है, लेकिन हमारे पास वैश्विक मीठे पानी के संसाधनों का केवल 4 प्रतिशत हिस्सा उपलब्ध है। यह असंतुलन ही देश में जल संकट की बुनियादी जड़ है। नीति आयोग की हालिया रिपोर्टों के अनुसार, लगभग 60 करोड़ भारतीय उच्च से अत्यधिक जल तनाव का सामना कर रहे हैं। सवाल यह है कि क्या हम अपने नागरिकों को एक गिलास शुद्ध पानी देने में सक्षम हैं?

इस साल के फरवरी 2026 में पेश किए गए केंद्रीय बजट में जल शक्ति मंत्रालय के लिए 67,600 करोड़ रुपये का आवंटन कर सरकार ने अपनी मंशा तो साफ कर दी है। लेकिन जल जीवन मिशन और ‘अमृत’ जैसे प्रोजेक्ट्स के पिछले सात वर्षों के सफर को देखें, तो यह स्पष्ट होता है कि व्यवस्था ने केवल पाइप बिछाने की गति को ही सफलता मान लिया, जबकि पानी की शुद्धता और उसकी निरंतरता को हाशिए पर धकेल दिया गया।

भारत के शहरी-ग्रामीण इलाकों में दूषित पानी को लेकर बात करें तो दिसंबर, 2025 से जनवरी 2026 के पहले सप्ताह के बीच ही देश के 26 प्रमुख शहरों में सीवेज मिश्रित पानी पीने से 5,500 से अधिक लोग बीमार हुए और कम से कम 34 लोगों की मौत दर्ज की गई। भारत का सबसे स्वच्छ शहर इंदौर के भागीरथपुरा क्षेत्र में दिसंबर, 2025 के अंतिम सप्ताह में पाइपलाइन में सीवेज का पानी मिलने से 37 लोगों की मौत हो गई और 1,400 से अधिक लोग अस्पताल पहुंच गए। इसी तरह, जनवरी, 2026 की शुरुआत में बेंगलुरु के पॉश इलाकों और गांधीनगर (गुजरात) में सैकड़ों बच्चे दूषित पानी के कारण टाइफाइड और डायरिया का शिकार हुए। अगस्त, 2019 में जब ‘जल जीवन मिशन’ शुरू हुआ, तब लक्ष्य था 2024 तक हर घर को नल से जोड़ना। सरकारी पोर्टल के अनुसार, जनवरी 2026 तक देश के लगभग 15.8 करोड़ घरों में नल लग चुके हैं। लेकिन इस ‘संख्यात्मक सफलता’ के पीछे एक बड़ा ढांचागत दोष है। राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण के 79वें दौर के आंकड़ों के अनुसार, पाइपलाइन कवरेज के बावजूद केवल 39 प्रतिशत ग्रामीण घर ही नल के पानी को अपने प्राथमिक स्रोत के रूप में उपयोग कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड जैसे राज्यों में यह उपयोग दर 10 प्रतिशत से 30 प्रतिशत के बीच है।

देखा गया कि हजारों गांवों में पाइप और नल तो लगे हैं, लेकिन पानी का दबाव इतना कम है कि वह अंतिम घर तक नहीं पहुंचता। कई स्थानों पर तो नल केवल ‘शोपीस’ बनकर रह गए हैं। फिर नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार, भारत के पहाड़ी क्षेत्रों के 60 प्रतिशत जल स्रोत सूख चुके हैं। मैदानी इलाकों में भूजल का स्तर इतनी तेजी से गिर रहा है कि नलों के लिए पानी का कोई स्थायी स्रोत ही नहीं बचा है। जवाबदेही की कमी के कारण पाइपलाइनें बिछाने के कुछ महीनों बाद ही फटने लगी हैं। पंजाब, हरियाणा और राजस्थान जैसे राज्यों में भूजल का स्तर काफी नीचे गिर गया है। कृषि में ‘वाटर गज़लर’ फसलों (जैसे धान और गन्ना) के लिए अंधाधुंध पंपिंग ने जलभृतों (एक्वाफर्स) को सुखा दिया है। इन सभी कारणों से पानी की गुणवत्ता में भी गिरावट आ रही है। बड़ी मात्रा में सतही जल प्रदूषित है। भूजल में आर्सेनिक, फ्लोराइड और यूरेनियम की बढ़ती मात्रा ‘कैंसर बेल्ट’ जैसी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं को जन्म दे रही है।

गांवों से पलायन और शहरों का अनियोजित विकास, सरकार द्वारा तैयार मूलभूत संरचना पर आवश्यकता से अधिक बोझ ने महानगरों को पानी के लिए कंगाल बना दिया है। दिल्ली, बेंगलुरु और चेन्नई जैसे महानगरों में पाइपलाइन लीकेज और सीवेज मिक्सिंग एक आम समस्या बन गई है।

सरकार द्वारा शहरी क्षेत्रों के लिए शुरू की गई महत्वाकांक्षी योजना ‘अमृत 2.0’ का लक्ष्य शहरों को ‘वॉटर सिक्योर’ बनाना था। लेकिन संसदीय स्थायी समिति की दिसंबर 2025 की रिपोर्ट के अनुसार, शहरी भारत में अभी भी बड़ी मात्रा में पानी ‘नॉन-रेवेन्यू वॉटर’ के रूप में बर्बाद हो जाता है, जो मुख्य रूप से पाइपलाइनों के रिसाव के कारण होता है। सबसे बड़ी विफलता जल वितरण और सीवेज प्रबंधन के बीच समन्वय का अभाव है।

बजट 2026 में सरकार ने जल जीवन मिशन की समय सीमा को बढ़ाकर दिसंबर 2028 कर दिया है। यह एक मूक स्वीकारोक्ति है कि 2024 और 2025 के लक्ष्य पूरे नहीं हो सके। बजट में इस बार ‘वेस्ट वॉटर रिसाइकिलिंग’ और ‘यूज्ड वॉटर ट्रीटमेंट’ पर जोर दिया गया है, लेकिन इसके कार्यान्वयन के लिए आवश्यक तकनीकी कौशल शहरी निकायों के पास नहीं है। पिछले वित्त वर्ष में जल शक्ति मंत्रालय ने आवंटित बजट का एक बड़ा हिस्सा खर्च ही नहीं किया, जो प्रशासनिक कमजोरी को दर्शाता है।

बजट 2026 में राज्यों के लिए 67,600 करोड़ रुपये की राशि का उपयोग तभी सार्थक होगा जब उसे ‘क्वालिटी ऑडिट’ से जोड़ा जाए। आज भी देश के 230 जिलों में आर्सेनिक और 469 जिलों में फ्लोराइड पानी में घुला हुआ है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़े चेतावनी देते हैं कि असुरक्षित पानी से भारत में होने वाली मौतें तेजी से बढ़ सकती हैं। बजट के आंकड़ों और धरातल की हकीकत के बीच जो गहरी खाई बन गई है, उसे भरने के लिए केवल धन की नहीं बल्कि एक ईमानदार और दीर्घकालिक विज़न की आवश्यकता है।

बजट में जल सुविधा के लिए सरकार ने बड़ी राशि का प्रावधान किया है लेकिन जब तक सरकार ‘नल’ लगाने की संख्या की होड़ छोड़कर ‘जल’ की गुणवत्ता, वर्षा जल संचयन और जवाबदेह प्रबंधन पर ध्यान नहीं देगी, तब तक बजट की घोषणाएं सार्थक न होगी।

बच्चों की बुद्धिमत्ता और मानसिक विकास पर असर

ज्ञानेन्द्र रावत

वायु प्रदूषण अब एक गंभीर और जानलेवा समस्या बन चुका है। इसका असर अब हृदय, फेफड़े, सांस, त्वचा, दमा, पाचन तंत्र से जुड़ी बीमारियों तक ही सीमित नहीं रह गया है, बल्कि यह हड्डियों, श्वसन प्रणाली और प्रजनन तंत्र को भी प्रभावित कर रहा है। यह शरीर के हर अंग को प्रभावित कर रहा है और अब यह कैंसर और मेटाबॉलिक विकार को भी पार कर चुका है। इससे मस्तिष्क पर भी गंभीर असर पड़ रहा है, जिससे डिमेंशिया का खतरा बढ़ गया है। कारण यह है कि अब वातावरण में मानक से ढाई गुना ज्यादा प्रदूषक कण मौजूद हैं। यह मानसिक विकार के साथ-साथ बच्चों की बुद्धिमत्ता पर भी असर डाल रहा है।

दुनिया के शोध-अध्ययन प्रमाणित करते हैं कि वायु प्रदूषण बच्चों के मानसिक विकास के लिए गंभीर खतरा है। यह उनकी बुद्धिमत्ता, याददाश्त, एकाग्रता और सीखने की क्षमता को कम कर देता है। प्रदूषित हवा में मौजूद सूक्ष्म कण बच्चों के दिमाग के विकास में बाधा डालते हैं, जिसके परिणामस्वरूप उनकी भाषा, कौशल, मूड नियंत्रण और व्यवहार संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। उच्च वायु प्रदूषण और गंदी हवा में रहने वाले बच्चों के आईक्यू स्कोर में मौजूद प्रदूषक तत्वों के कारण बच्चों के शैक्षणिक प्रदर्शन, उनकी सोचने-समझने की क्षमता और व्यवहार पर नकारात्मक असर डालते हैं। यही नहीं, अत्यधिक सक्रियता, खराब स्मृति और ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई भी पैदा हो सकती है। यह स्थिति अवसाद और चिंता के जोखिम को और बढ़ा देती है। यातायात से संबंधित वायु प्रदूषण इन समस्याओं की बढ़ोतरी में नकारात्मक भूमिका निभाता है। एनपीजे क्लीन एयर नामक शोध में खुलासा हुआ है कि वायु प्रदूषण के कारण इंसान की सोचने-समझने की क्षमता, यानी आईक्यू, पर भी असर पड़ रहा है। बर्मिंघम यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने कुल 134 देशों में स्थित 7800 से अधिक शहरों में सेटेलाइट से सूक्ष्म कणों के लांग-लीनियर मॉडल के इस्तेमाल कर गणना की कि वायु प्रदूषण का आईक्यू पर कितना असर हो सकता है। वैज्ञानिकों ने कहा है कि हवा में मौजूद पीएम 2.5 (सूक्ष्म कण) के कारण पूरी दुनिया की आबादी को 65 अरब आईक्यू अंक का नुकसान हो रहा है। उनके अनुसार, पीएम कण इतने सूक्ष्म होते हैं कि वे शरीर के माध्यम से सीधे मस्तिष्क तक पहुंच रहे हैं। इससे दिमाग में आक्सीडेटिव स्ट्रेस और सूजन पैदा हो रही है। धूल के इन कणों में कैडमियम, मैगनीज और आर्सेनिक जैसी जहरीली धातुएं होती हैं, जो बच्चों के मानसिक विकास के लिए बेहद हानिकारक हैं।

दरअसल, वैज्ञानिकों ने यह शोध ‘ईक्यू’ को एक संख्या मानकर किया है, जो यह बताती है कि किसी व्यक्ति की सोचने, समझने, तर्क करने और समस्याओं को सुलझाने की क्षमता उसकी उम्र के अन्य लोगों की तुलना में कितनी है। शोध में पाया गया कि हवा में मौजूद पीएम 2.5 के हर एक माइक्रोग्राम के बढ़ने पर आईक्यू स्कोर में गिरावट आई है। वैज्ञानिकों के अनुसार, प्रति व्यक्ति आईक्यू हानि का स्तर उन्नत देशों में ज्यादा है, जहां पीएम 2.5 का स्तर बहुत ज्यादा है।

भारत में अत्यधिक प्रदूषण के कारण आईक्यू का नुकसान 20 अंक तक पहुंच गया है। कम और मध्यम आय वाले देश इस संकट की सबसे ज्यादा मार झेल रहे हैं। इससे बच्चों का विकास सबसे ज्यादा प्रभावित होगा। यही नहीं, सूक्ष्म कणों के असर से गर्भवती महिलाओं पर भी यह ज्यादा खतरा बन सकता है। गर्भावस्था के दौरान सूक्ष्म कणों का प्रभाव (1 से 6 अंक की हानि) या शराब के सेवन (3 से 7 अंक की हानि) जैसे स्थापित जोखिम कारकों के समान है।

विकासशील देशों पर प्रदूषण का सबसे ज्यादा असर पड़ रहा है। वहां यह नुकसान 19 अंक तक हो सकता है, जबकि वैश्विक औसत 1 अंक से 2 अंक के बीच है। सबसे दुखदायी यह है कि 15 साल से कम उम्र के लगभग 2.02 करोड़ बच्चे इस प्रदूषण के शिकार हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, आज 93 फीसदी बच्चे प्रदूषित हवा में सांस लेने को मजबूर हैं। वायु प्रदूषण से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याएं अक्सर एयरोसोल से संबंधित होती हैं। एयरोसोल हवा में निलंबित सूक्ष्म ठोस या तरल लवण होते हैं। इनका आकार कुछ नैनोमीटर से लेकर कई माइक्रोमीटर तक हो सकता है। एयरोसोल मानव आंखों को मुश्किल से दिखाई देते हैं। इनमें धुआं, कोहरा और औद्योगिक प्रदूषण कण शामिल होते हैं। ये कण जलवायु, मौसम और शरीर में विषाक्तता से संबंधित प्रतिक्रियाओं को जन्म देते हैं। एयरोसोल रसायनों के कारण श्वसन संबंधी, लीवर, तंत्रिका तंत्र, आंख और त्वचा की समस्याएं उत्पन्न होती हैं। इसके प्रभाव से पौधे और जानवर भी अछूते नहीं रहते। अब सर्दियों के दिनों में, उत्तरी भारत के मुकाबले साफ माने जाने वाले देश के दक्षिणी राज्यों के प्रमुख शहरों जैसे चेन्नई और बंगलुरू में वायु गुणवत्ता बिगड़ने के संकेत मिल रहे हैं, जो एक खतरनाक नया जोखिम है। इसके पीछे मौसम को जिम्मेदार ठहराया जा रहा है। सीपीसीबी के एयर क्वालिटी मानीटरिंग डेटा पर आधारित संस्था क्लाइमेट ट्रेंड्स के विश्लेषण के अनुसार, मौसम की बदलती स्थितियां प्रदूषण के स्तर में 40 फीसदी तक बदलाव ला सकती हैं। देश के प्रमुख शहरों के विश्लेषण से यह खुलासा हुआ है कि वायु प्रदूषण को केवल उत्सर्जन की समस्या मानना अधूरा दृष्टिकोण है। असल में उत्सर्जन और मौसम के बीच की परस्पर क्रिया ही वायु गुणवत्ता को नियंत्रित करती है। जब हवा की गति कम और नमी ज्यादा होती है, तब वातावरण में ठहराव बनता है और प्रदूषण तेजी से बढ़ता है।

असलियत में, अब वायु प्रदूषण केवल सर्दियों के मौसम का मुद्दा नहीं रह गया है, बल्कि यह सालभर जारी रहने वाला गंभीर स्वास्थ्य खतरा बन चुका है।

लेखक पर्यावरणविद् हैं।

भाजपा के लिए परीक्षा वाला चुनाव

अजीत द्विवेदी

चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश के चुनाव वैसे तो दोनों सबसे बड़ी राष्ट्रीय पार्टियों के साथ साथ मजबूत प्रादेशिक क्षत्रपों और वामपंथी पार्टियों के लिए परीक्षा वाले हैं। लेकिन ये चुनाव खासतौर से भाजपा के लिए परीक्षा वाले इसलिए हैं क्योंकि इनके नतीजों से पता चलेगा कि भाजपा गैर कांग्रेस दलों और प्रादेशिक क्षत्रपों के मुकाबले अपनी चिरंतन कमजोरी से उबर पाई है या नहीं। यह भी पता चलेगा कि क्षेत्रीय और भाषायी अस्मिता वाले राज्यों में भाजपा की अखिल भारतीय राजनीति के दांव पेंच, व्यापक हिंदू ध्रुवीकरण और राष्ट्रवाद की राजनीति कारगर होती है या नहीं। ध्यान रहे इस बार जिन चार राज्यों पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु व केरल और एक केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में, चुनाव हो रहा है, वहां हिंदुत्व बिल्कुल उस रूप में न तो प्रचलित है और न स्वीकार्य है, जिस रूप में भाजपा उसका उत्तर व पश्चिमी भारत में राजनीतिक इस्तेमाल करती है। साथ ही इन राज्यों में राष्ट्रवाद की भावना के साथ साथ उप राष्ट्रीयता की एक बेहद मजबूत अंतरधारा भी हमेशा मौजूद रहती है। इसलिए इन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों का चुनाव भाजपा के लिए परीक्षा वाला है।

तमिलनाडु को छोड़ दें तो बाकी तीनों बड़े राज्यों में भाजपा अकेले लड़ रही है या गठबंधन की केंद्रीय पार्टी है। सबसे बड़े और सबसे ज्यादा विधानसभा वाले राज्य पश्चिम बंगाल में भाजपा अकेले लड़ रही है। असम में जरूर असम गण परिषद, बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट और यूपीपीएल के साथ भाजपा का तालमेल है लेकिन गठबंधन का नेतृत्व भाजपा कर रही है। 126 सदस्यों की विधानसभा में इस बार वह अकेले बहुमत हासिल करना चाहती है। इससे पहले दो चुनावों से वह बहुमत के आंकड़े यानी 64 सीट से थोड़ा नीचे रूक गई थी। उधर केरल में भी भाजपा ने साबू जैकब की ट्वेंटी20 पार्टी से तालमेल किया है। यह एक ईसाई पहचान वाली पार्टी है। वहां भी भाजपा केंद्रीय ताकत है। तमिलनाडु में भारतीय जनता पार्टी अपना मजबूत आधार नहीं बना पा रही है और उसे अन्ना डीएमके के पीछे चलना पड़ रहा है, जिसने लोकसभा चुनाव में भाजपा को छोड़ दिया था। हालांकि बाद में भाजपा फिर उसके साथ जुड़ी। इन राज्यों के चुनाव भाजपा के लिहाज से इसलिए भी बहुत अहम हैं क्योंकि इनसे दक्षिण भारत में भाजपा के विस्तार की संभावनाओं का भी पता

चलेगा। धीरे धीरे ही सही लेकिन भाजपा ने कर्नाटक के बाद तेलंगाना में अपना मजबूत आधार बना लिया है। केरल में पिछले चुनाव में उसका वोट प्रतिशत दहाई में पहुंच गया। उसके गठबंधन को 12 फीसदी से ज्यादा वोट मिले, जो लोकसभा चुनाव में और बढ़ा।

बहरहाल, अगले महीने होने वाले चुनावों में भाजपा के लिए सबसे अहम पश्चिम बंगाल का चुनाव है। भारत की राजनीति में एकाध ही प्रादेशिक क्षत्रप हैं, जिनसे भाजपा सीधी लड़ाई लड़ती है और हरा नहीं पाती है। ममता बनर्जी को नरेंद्र मोदी और अमित शाह की भाजपा आज तक नहीं हरा पाई है। 2019 के लोकसभा चुनाव में जब भाजपा बंगाल में सबसे मजबूत होकर उभरी तब भी ममता बनर्जी की पार्टी को उससे ज्यादा सीटें मिलीं। उसके बाद के चुनाव में तो ममता ने चैलेंज देकर भाजपा को सौ सीट के नीचे रोका। भाजपा को 2021 के चुनाव में 77 सीटें मिलीं। इसकी एक व्याख्या तो यह है कि भाजपा 2016 की तीन सीटों से बढ़ कर 77 पहुंची और दूसरी व्याख्या यह है कि भाजपा 2019 के लोकसभा चुनाव में सौ से ज्यादा सीटों पर मिली बढ़त से घट कर 77 पर रह गई।

जो हो, इस बार नरेंद्र मोदी और अमित शाह के नेतृत्व वाली भाजपा विधानसभा चुनाव में तीसरी बार ममता बनर्जी के मुकाबले सीधी लड़ाई में उतरेगी। ध्यान रहे तीसरी सीधी लड़ाई में भाजपा ने अरविंद केजरीवाल को भी हरा दिया था। दिल्ली में 2013 के चुनाव में भाजपा 32 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी थी। वह 2015 और 2020 में आम आदमी पार्टी से हारी लेकिन 2025 में उसने उसे हरा दिया। ऐसे ही पश्चिम बंगाल में 2016 और 2021 के बाद अब तीसरी लड़ाई है। इस बार हर दांव आजमाए जा रहे हैं। पिछले 10 साल में भाजपा ने तृणमूल कांग्रेस के हर दांव पेंच को समझा है। उसकी ताकत और चुनाव लडने् के तरीके को ऑब्जर्व किया है और उस हिसाब से रणनीति बनी है। इसमें चुनाव आयोग भी अहम भूमिका निभा रहा है। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर के जरिए 63 लाख नाम काटे जा चुके हैं। 60 लाख नाम विचाराधीन श्रेणी में रखे गए हैं, जिनमें से 25 से 30 लाख नाम और कट सकते हैं।

इनमें से ज्यादातर नाम मुस्लिम बहुल मालदा, मुर्शिदाबाद, नदिया और उत्तरी दिनाजपुर जिले के हैं। भाजपा का दावा है कि इनमें से बड़ी संख्या में ऐसे घोस्ट मतदाता थे, जिनकी सरकारी तंत्र से बोगस वोटिंग करा कर ममता बनर्जी जीतती हैं। इस बार के चुनाव में इस दावे की भी परीक्षा हो जाएगी। चुनाव आयोग इस बार बुर्के वाली महिलाओं की मतदान केंद्र से बाहर भी जांच करने की तैयारी कर रहा है। केंद्रीय बलों की तैनाती चुनाव की घोषणा से पहले ही कर दी गई है। पूर्व आईपीएस अधिकारी आरएन रवि को चुनाव से ऐन पहले बंगाल का राज्यपाल बनाया गया। वे तमिलनाडु में डीएमके से टकराव की वजह से मशहूर हुए थे। इसी तरह चुनाव से पहले केंद्रीय एजेंसी ईडी ने ममता बनर्जी का चुनाव प्रबंधन कर रही कंपनी आईपैक के ऊपर छापा मारा। आचार संहिता लगते ही चुनाव आयोग ने ममता की बनाई नंदिनी चक्रवर्ती को मुख्य सचिव के पद से हटा दिया।

भाजपा पश्चिम बंगाल के चुनाव को एक राजनीतिक मुकाबले से ज्यादा सभ्यतागत संघर्ष के रूप में लड़ रही है। यह बात पार्टी के प्रवक्ता चैनलों में कह रहे हैं। भारत जैसे विविधता वाले देश में किसी राज्य में अगर भाजपा चुनावी मुकाबले को सभ्यतागत संघर्ष बता रही है तो उसकी बेचैनी को समझा जा सकता है। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चुनाव की घोषणा से एक दिन पहले कोलकाता के परेड ग्राउंड मैदान में अपने भाषण में यह भय दिखाया कि हिंदू अल्पसंख्यक हो जाएंगे। असल में भारत की जो सभ्यता है वह कई संस्कृतियों का समुच्य है। भारत विरूद्धों में सामंजस्य साधने की सहस्त्राब्दियों पुरानी व्यवस्था का नाम है। भाजपा सांस्कृतिक भिन्नता को सभ्यतागत संघर्ष बता रही है। यह काम तमिलनाडु में भी किया जा रहा है। सो, राजनीतिक प्रबंधन, चुनाव आयोग की भूमिका, भाजपा की सर्वशक्तिमान सत्ता की ताकत और चुनाव को सभ्यतागत संघर्ष बनाने का नैरेटिव बंगाल में कितना कामयाब होता है इस पर सबकी नजर होगी। अगर भाजपा इतना सब करने के बाद भी नहीं जीतती है तो उसे गंभीरतापूर्वक अपनी इस राजनीति पर विचार करना होगा।

असम में भाजपा के लिए लड़ाई अपेक्षाकृत आसान इसलिए लगती है क्योंकि वहां परिसीमन के बाद 105 के करीब सीटें ऐसी हो गईं, जिन पर मुस्लिम मतदाताओं का असर बिल्कुल खत्म हो गया है। भाजपा इन्हीं सीटों पर पूरा दम लगा कर लड़ती है। सांप्रदायिक ध्रुवीकरण और घुसपैठ के नाम पर राष्ट्रीय सुरक्षा का नैरेटिव भाजपा को सपोर्ट करता है। कुछ भाजपा के प्रयासों और कुछ अपने कारणों से कांग्रेस असम में कमजोर हुई है। उसके कई नेता पार्टी छोड़ कर गए हैं। फिर भी गौरव गोगोई पूरी ताकत से लड़ रहे हैं।

केरल में भाजपा का मुख्य प्रयास अपना वोट आधार बढ़ाने और ऐसी राजनीतिक बिसात बिछाने का है, जिसमें कांग्रेस फिर नहीं जीत पाए। भाजपा को पता है कि किसी भी नए राज्य में कांग्रेस की जीत उसे राष्ट्रीय स्तर पर संजीवनी देगी। लेकिन अगर वाम मोर्चा केरल में जीत जाता है तो उससे राष्ट्रीय राजनीति पर रत्ती भर असर नहीं पड़ेगा। तभी केरल का चुनाव भाजपा के नजरिए से देखने की जरुरत नहीं है। वहां के चुनाव नतीजे में दिलचस्पी का तत्व सिर्फ यह है कि कांग्रेस जीतती है या नहीं।

तमिलनाडु जरुर दिलचस्प चुनाव है क्योंकि एमके स्टालिन ने तमिल उप राष्ट्रीयता और भाषायी अस्मिता के साथ साथ विकास की राजनीति भी की है। देश की 15 फीसदी पंजीकृत विनिर्माण ईकाई तमिलनाडु में है और 15 फीसदी मजदूर वहां काम करते हैं। चाहे निवेश की बात हो, प्रति व्यक्ति आय की बात हो, जीडीपी की बात हो या औद्योगिक विकास की बात हो, तमिलनाडु मिसाल बना है। वहां भाजपा सनातन और हिंदी के सम्मान की बात करती है लेकिन उसकी सहयोगी अन्ना डीएमके ऐसा नहीं करती है। वह भी मोटे तौर पर डीएमके वाले एजेंडे पर ही चलती है। भाजपा राज्य की राजनीति में छोटी पार्टी है और बहुत कम सीटों पर लड़ेगी। लेकिन उसका प्रयास होगा कि अन्ना डीएमके के कंधे पर सवार होकर डीएमके को हराए। इससे भाजपा के लिए तमिल राजनीतिक का दरवाजा खुलेगा और कांग्रेस की एक बड़ी मददगार पार्टी कमजोर होगी।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

जनगणना 2027, प्रथम चरण हेतु प्रशिक्षण प्रारंभ

दुर्ग। जिले में जनगणना 2027, प्रथम चरण हेतु अधिकारी-कर्मचारियों का प्रशिक्षण 11 अप्रैल से प्रारंभ हो गया है। यह प्रशिक्षण तहसीलवार विभिन्न स्थानों पर मास्टर ट्रेनर द्वारा किया जा रहा है। कलेक्टर एवं जिला जनगणना अधिकारी अभिजीत सिंह ने आज बीआईटी के बी-ब्लाक कमरा नंबर 303, 304, 312 में आयोजित प्रशिक्षण का निरीक्षण/अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारी-कर्मचारियों को प्रशिक्षण के दौरान बतायी जा रही जानकारी पर विशेष ध्यान देने की बाते कहीं। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण के हर पहलु को गंभीरता से लिया जाए ताकि गणना के दौरान किसी प्रकार की चुक न हो। कोई भी गणना से वंचित न होने पाए। अधिकारी-कर्मचारियों का यह प्रशिक्षण 50-50 के बैच में तीन कमरों में दिनांक 11, 12, 13, 15, 16, 17, 20, 21, 22 अप्रैल को सुबह 9.30 से प्रारंभ होकर संध्या 5.30 तक चलेगा। इस अवसर पर अनुविभागीय जनगणना अधिकारी हरवंश सिंह मिरी, जनगणना जिला प्रभारी अधिकारी उत्तम ध्रुव एवं तहसील दुर्ग ग्रामीण के चार्ज जनगणना अधिकारी तहसीलदार प्रफुल्ल कुमार गुप्ता विशेष रूप से उपस्थित थे।

पीलिया से प्रभावित मरीजों का रक्त नमूना लिया गया

दुर्ग। वार्ड-67 सेक्टर 7 पश्चिम सड़क 37 ए भिलाई नगर में पीलिया के मरीजों की जानकारी होने पर 11 अप्रैल 2026 को डॉ. मनोज दानी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, दुर्ग के निर्देशन में एवं डॉ. सी.बी.एस. बंजारे, जिला सर्वेलेंस अधिकारी, दुर्ग के मार्गदर्शन में डॉ. पियाम सिंग, प्रभारी अधिकारी, सिविल हॉस्पिटल सुपेला भिलाई व श्रीमती रितीका सोनवानी, जिला एपिडेमियोलॉजिस्ट, दुर्ग विजय सेजुले, सुपरवाईजर, हितेन्द्र कोसरे, बीईटीओ एवं स्थानीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता एवं मितानिनों के साथ प्रभावित क्षेत्र का भ्रमण किया गया। सेक्टर-07, स्ट्रीट-37ए भिलाई में पीलिया ग्रस्त होने के कारण लक्षण पाये गये मरीजों का रक्त नमूना लिया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. दानी से प्राप्त जानकारी अनुसार आज प्रभावित क्षेत्र में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने 104 घरों का भ्रमण कर 09 पीलिया से ग्रसित नए मरीज पहचान किये। इस प्रकार उक्त संक्रमित क्षेत्र में आज दिनांक तक कुल 24 पीलिया के मरीज़ मिले, जिनमें से 01 नये मरीज भर्ती हुए। इस प्रकार भर्ती मरीज श्री शंकराचार्य इंस्टीट्यूट ऑफमेडिकल साईंस भिलाई में 05, पल्स हास्पीटल, भिलाई-1 में 04 उपचाररत है। वर्तमान में स्थिति नियंत्रण में है। पीलिया प्रदूषित जल व भोजन से फैलने वाला संक्रामक रोग है जो विषाणुओं के संक्रमण से होता है। विषाणुओं के शरीर में प्रवेश करने के 15 से 50 दिनों के भीतर बीमारी के लक्षण प्रगट होते है। पीलिया के प्रमुख लक्षण भुख न लगना, पेट के दाहिने तरफउपर की ओर दर्द होना, आंखे व त्वचा का रंग पीला होना।

भिलाई इस्पात संयंत्र का फायर ब्रिगेडः अदम्य साहस, सतत सजगता और सामूहिक सुरक्षा का जीवंत प्रतिमान

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ के औद्योगिक परिदृश्य में भिलाई इस्पात संयंत्र केवल उत्पादन क्षमता के लिए ही नहीं, बल्कि अपनी सुदृढ़ सुरक्षा व्यवस्थाओं के लिए भी विशिष्ट पहचान रखता है। इस सुरक्षा ढांचे का सबसे सशक्त स्तंभ है— संयंत्र की फायर ब्रिगेड। यह केवल अग्नि-दुर्घटना से निपटने वाली इकाई नहीं, बल्कि हर आपात स्थिति में मानवता की रक्षा के लिए तत्पर एक संगठित, प्रशिक्षित और समर्पित बल है।

आम जनमानस में फायर ब्रिगेड की छवि अक्सर एक दमकल वाहन और उसमें सवार कर्मियों तक सीमित रह जाती है, किन्तु वास्तविकता इससे कहीं अधिक व्यापक और चुनौतीपूर्ण है। भिलाई इस्पात संयंत्र के फायरफाइटर्स आग से जूझने के साथ-साथ रेस्क्यू ऑपरेशन, रासायनिक जोखिम, गैस रिसाव, विस्फोटक परिस्थितियों और अन्य अप्रत्याशित आपदाओं से निपटने के लिए विशेष रूप से प्रशिक्षित हैं। जटिल औद्योगिक वातावरण में कार्य करते हुए वे हर स्थिति में संतुलन, साहस और त्वरित निर्णय क्षमता का परिचय देते हैं।

संयंत्र की अग्निशमन सेवा चार प्रमुख स्तंभों— ट्रेनिंग, प्रिवेंशन, मेंटेनेंस और ऑपरेशन पर आधारित है, जिनका समन्वित संचालन इसे अत्यंत प्रभावी बनाता है। ट्रेनिंग विंग के अंतर्गत फायरफाइटर्स को लगभग एक वर्ष के गहन प्रशिक्षण के माध्यम से तकनीकी दक्षता, प्राथमिक उपचार, आपदा प्रबंधन के साथ-साथ मानसिक और शारीरिक दृढ़ता के लिए तैयार किया जाता है। यह प्रशिक्षण केवल संयंत्र तक सीमित न रहकर स्कूलों, अस्पतालों और अन्य संस्थानों तक भी विस्तारित है, जिससे समाज में भी सुरक्षा के प्रति जागरूकता विकसित हो रही है।

प्रिवेंशन विंग रोकथाम ही सर्वोत्तम सुरक्षा के सिद्धांत पर कार्य करते हुए संवेदनशील स्थलों—जैसे तेल भंडारण क्षेत्र, गैस एजेंसियां और पेट्रोल पंप की नियमित निगरानी करता है। संयंत्र में स्थापित 16,200 से अधिक अग्निशामक यंत्रों का प्रत्येक चार माह में निरीक्षण इस सतत सतर्कता का प्रमाण है। वहीं मेंटेनेंस विंग फायर टेंडर, पंप और आपातकालीन उपकरणों की कार्यक्षमता सुनिश्चित करता है। हाल ही में 12 नए फायर टेंडरों के शामिल होने से इस क्षमता को और सुदृढ़ किया गया है। ऑपरेशन विंग इस पूरी व्यवस्था का क्रियान्वयन करते हुए आग पर नियंत्रण, रेस्क्यू कॉल, मॉक ड्रिल, वीआईपी ड्यूटी, डिवाटरिंग और गैस लाइन संचालन जैसे विविध कार्यों का कुशलतापूर्वक निर्वहन करता है। उल्लेखनीय है कि फायर कॉल प्राप्त होते ही मात्र 30 सेकंड के भीतर टीम घटनास्थल के लिए रवाना हो जाती है। यही त्वरित प्रतिक्रिया कई बार संभावित बड़े नुकसान को टालने में निर्णायक सिद्ध होती है।

साहस की जीवंत मिसालें: हाल के घटनाक्रम इस फायर ब्रिगेड की दक्षता और साहस के सशक्त उदाहरण प्रस्तुत करते हैं। भिलाई सेक्टर-6 स्थित एक प्रतिष्ठान में लगी आग के दौरान घने धुएं के बीच पीपीवी फैन और ब्रीदिंग अपरेटस सेट का उपयोग करते हुए स्थिति को नियंत्रित किया गया।

रायपुर स्थित एक होटल में आग की घटना के दौरान एसडीआरएफऔर एनडीआरएफके साथ समन्वय स्थापित कर सफल बचाव कार्य किया गया। वहीं भनपुरी स्थित टार इंडस्ट्री में बड़े टैंकों में लगी भीषण आग को एएफएफएफ फोम के उपयोग से लगभग छह घंटे के अथक प्रयासों के बाद नियंत्रित किया गया, जिसमें किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।

संयंत्र की फायर ब्रिगेड की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि फायर कॉल्स में आई उल्लेखनीय कमी भी है। यह कमी सुनियोजित प्रशिक्षण, नियमित मॉक ड्रिल, आधुनिक उपकरणों की उपलब्धता और व्यापक जागरूकता अभियानों का प्रत्यक्ष परिणाम है। कर्मचारियों एवं आम नागरिकों को दिए जाने वाले प्रशिक्षण और प्रदर्शन कार्यक्रमों ने सुरक्षा के प्रति एक सकारात्मक संस्कृति विकसित की है, जिससे दुर्घटनाओं में स्वत: कमी आई है। इन सभी प्रयासों के बीच यह स्पष्ट होता है कि भिलाई इस्पात संयंत्र की फायर ब्रिगेड केवल एक विभाग नहीं, बल्कि साहस, अनुशासन और सेवा भावना का जीवंत उदाहरण है। ये वे अनदेखे प्रहरी हैं, जो हर क्षण सतर्क रहकर संयंत्र और समाज की सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं।

साथ ही यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि अग्नि सुरक्षा केवल एक विभाग का दायित्व नहीं, बल्कि सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। सतर्कता, अनुशासन और नियमों के पालन के माध्यम से ही एक सुरक्षित और संरक्षित वातावरण का निर्माण संभव है।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम की योजनाओं का शत प्रतिशत लक्ष्य हासिल करने पर जोर

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नए वित्तीय वर्ष अप्रैल से प्रत्येक राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम के विभिन्न योजनाओं के शत प्रतिशत लक्ष्य को प्राप्त करने खंड चिकित्सा अधिकारी पाटन व शहरी चरोदा के खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ भुवनेश्वर कुमार कठौतिया ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भिलाई 3 में शनिवार को समीक्षा बैठक ली।

इस दौरान उन्होंने फील्ड के समस्त पैरामेडिकल स्टाफ और अस्पताल के स्वास्थ्य कर्मचारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए। डॉ कठौतिया ने कहा कि टी बी मुक्त भारत बनाने कमर कस लीजिए। प्रत्येक लक्षण वाले व्यक्ति का बलगम जांच करवाई जाए।

वहीं जिनमें टी बी का लक्षण है लेकिन बलगम जांच मे नेगेटिव आया, ऐसे लोगों की एक्स-रे जांच कराकर टी बी खोज का दायरा बढ़ाना है। वहीं प्रत्येक हजार की आबादी वाले क्षेत्रों में 21 गर्भवती माताओं के अनुपात से पंजीकरण कराया जाए और हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं को चिह्नित करते हुए संस्थागत प्रसव कराने प्रत्येक को प्रति माह 03 सामान्य प्रसव कराना है। उन्होंने कहा कि 70+ आयु समूह के लोगों का वय वंदना कार्ड बनाया जाए और निर्धारित टीकाकरण दिवस पर सभी 0 से 5 वर्ष आयु के बच्चों को टीकाकरण युविन पोर्टल टीकाकरण मे दर्ज कराया जाए।

डॉ कठौतिया ने कहा कि स्वास्थ्य के क्षेत्र मे माता मृत्यु और शिशु मृत्यु दर कम करना है किसी भी स्थिति मे इतने संसाधन उपलब्ध होने बावजूद हम लोग माता मृत्यु को रोक नहीं पाएंगे तो अच्छी बात नहीं है। इस दौरान बी ई टी ओ सैय्यद असलम ने बताया कि गत वर्ष के लक्ष्य को लगभग पूरा किया गया है। प्रसव मे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भिलाई-3 जिला में दूसरे स्थान पर है। सेक्टर मेडिकल ऑफिसर डॉ शिखर अग्रवाल ने आश्वस्त किया कि वे क्षेत्र मे प्रत्येक राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम के लक्ष्यों को प्राप्त करने फील्ड के पैरामेडिकल स्टाफ को संसाधनों को उपलब्ध कराने और सहयोग करने के साथ स्वयं फील्ड में निगरानी करेंगे। डॉ कठौतिया ने मीजल्स रूबेला उन्मूलन अभियान में लाइन लिस्ट बनाकर टीकाकरण अभियान को शत-प्रतिशत उपलब्धि हासिल करने और ह्यूमन पेपिलोमावायरस (एचपीवी) वैक्सीनेशन का प्रचार प्रसार करते हुए सर्वाइकल कैंसर अभियान बचाव में लक्ष्य हासिल करना है।

दक्षता, निष्पक्षता और न्याय के प्रति सतत समर्पण ही न्यायपालिका की वास्तविक शक्ति को परिभाषित करते हैं- न्यायमूर्ति सिन्हा

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग संभाग के न्यायिक अधिकारियों हेतु एक दिवसीय संभागीय न्यायिक सेमीनार का आयोजन छत्तीसगढ़ राज्य न्यायिक अकादमी द्वारा जिला न्यायालय, दुर्ग में किया गया। इस सेमीनार में दुर्ग संभाग के पाँच सिविल जिलों से कुल 120 न्यायिक अधिकारियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा, मुख्य न्यायाधिपति, छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय एवं मुख्य संरक्षक, छत्तीसगढ़ राज्य न्यायिक अकादमी द्वारा न्याय एवं विधिक ज्ञान के प्रकाश का प्रतीक दीप का प्रज्वलन कर सेमीनार का शुभारंभ किया गया। सेमीनार में श्रीमती न्यायमूर्ति रजनी दुबे, तथा न्यायमूर्ति रवीन्द्र कुमार अग्रवाल, छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय की भी गरिमामयी उपस्थिति रही।

मुख्य न्यायाधिपति ने नव अधिनियमित आपराधिक कानूनों के महत्व पर बल देते हुए कहा कि ये कानून आपराधिक न्याय प्रणाली के आधुनिकीकरण की दिशा में एक परिवर्तनकारी कदम हैं, जिनमें तकनीकी प्रगति का समावेश किया गया है तथा अधिक प्रभावी और पीड़ित-केंद्रित दृष्टिकोण को बढ़ावा दिया गया है। न्यायिक अधिकारियों को इन अधिनियमों के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु उनका स्पष्ट एवं व्यावहारिक समझ विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। सेमीनार के विषयों पर प्रकाश डालते हुए माननीय मुख्य न्यायाधिपति ने कहा कि चयनित विषय अत्यंत व्यावहारिक महत्व के हैं तथा ये निचली अदालतों के समक्ष आने वाली दैनिक चुनौतियों को प्रतिबिंबित करते हैं। परक्राम्य लिखत अधिनियम, 1881 की धारा 138 के अंतर्गत प्रकरणों के संदर्भ में उन्होंने शीघ्र निराकरण हेतु नवाचारी प्रकरण प्रबंधन तकनीकों एवं उपकरणों को अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया, जिससे प्रक्रियात्मक निष्पक्षता बनाए रखते हुए लंबित प्रकरणों का प्रभावी निपटारा सुनिश्चित किया जा सके।

माननीय मुख्य न्यायाधिपति ने इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य के बढ़ते महत्व पर भी सेमीनार में प्रकाश डाला तथा ई-साक्ष्य की अवधारणा, विशेष रूप से भारतीय साक्ष्य अधिनियम के अंतर्गत इलेक्ट्रॉनिक अभिलेखों की ग्राह्यता पर चर्चा की। न्यायिक अधिकारियों को डिजिटल साक्ष्य से संबंधित वैधानिक प्रावधानों से भली-भांति परिचित रहने की सलाह दी गई।

अपने उद्बोधन के समापन में माननीय मुख्य न्यायाधिपति ने विश्वास व्यक्त किया कि यह सेमीनार प्रतिभागियों के ज्ञान एवं कौशल को समृद्ध करेगा तथा न्यायिक कार्यों में आने वाली चुनौतियों के समाधान हेतु व्यावहारिक मार्गदर्शन प्रदान करेगा। माननीय मुख्य न्यायाधीश महोदय ने पुन: यह प्रतिपादित किया कि न्यायपालिका की शक्ति उसकी दक्षता, निष्पक्षता एवं न्याय के प्रति अटूट प्रतिबद्धता में निहित है तथा न्यायिक अधिकारियों की भूमिका विधि के शासन को सुदृढ़ करने एवं जनता के विश्वास को बनाए रखने में अत्यंत महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, दुर्ग ने स्वागत भाषण दिया, जिसमें उन्होंने निरंतर न्यायिक शिक्षा और विचारों के आदान-प्रदान के महत्व पर जोर दिया। इसके बाद श्रीमती निधि शर्मा तिवारी, निदेशक, छत्तीसगढ़ राज्य न्यायिक अकादमी, बिलासपुर ने परिचयात्मक भाषण दिया, जिसमें उन्होंने सेमीनार के उद्देश्यों की रूपरेखा प्रस्तुत की और बदलते कानूनी परिदृश्य में क्षमता निर्माण की बढ़ती आवश्यकता पर बल दिया। उद्घाटन सत्र का समापन दुर्ग के द्वितीय जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ।

सेमीनार का एक महत्वपूर्ण और निर्णायक क्षण मध्यस्थता 2.0 आईएआईएसएजीआर - दुर्ग के लिए मध्यस्थता रणनीति मॉडल नामक प्रकाशन का विमोचन था, जिसका अनावरण माननीय मुख्य न्यायाधिपति के हाथों हुआ। उनकी गरिमामय उपस्थिति में मध्यस्थता पर इस महत्वपूर्ण कृति के विमोचन ने कार्यक्रम को एक विशिष्ट आयाम प्रदान किया और सौहार्दपूर्ण विवाद समाधान के प्रति न्यायपालिका की प्रगतिशील प्रतिबद्धता का प्रतीक बना। आयोजित सेमीनार में कुल 120 न्यायिक अधिकारियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों द्वारा विभिन्न महत्वपूर्ण विधिक विषयों पर प्रस्तुतिकरण दिए गए, जिनमें आदेश 7 नियम 10 एवं नियम 11, अभियुक्त के परीक्षण का उद्देश्य, ग्राह्यता एवं साक्ष्य मूल्य, तथा ई-साक्ष्य का अवलोकन एवं धारा 63 के अंतर्गत उसके वैधानिक प्रावधान जैसे विषय शामिल रहे।

बुनकरों की समस्याओं और पारंपरिक व्यवसाय को बढ़ावा देने बुनकर भवन का निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। संतरा बाड़ी स्थित आजादी के समय से स्थापित बुनकर भवन में आज भारतीय जनता पार्टी के जिला बुनकर प्रकोष्ठ संयोजक ईश्वर कुमार देवांगन ने बुनकर संघ का निरीक्षण कर बुनकरों की समस्याओं, कार्यप्रणाली और उत्पादन व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान भाजपा झुग्गी-झोपड़ी प्रकोष्ठ के प्रदेश सह संयोजक दिनेश देवांगन विशेष रूप से उपस्थित रहे।

निरीक्षण के दौरान देवांगन समाज के पारंपरिक कपड़ा उत्पादन व्यवसाय से जुड़े बुनकरों की वर्तमान स्थिति, संसाधनों की उपलब्धता तथा इस परंपरागत कार्य से नई पीढ़ी को जोड़ने के विषय पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी दी गई, जिससे बुनकर समाज को अधिक से अधिक लाभ मिल सके।

इस अवसर पर दुर्ग बुनकर संघ के अध्यक्ष मंथीर राम देवांगन से विशेष चर्चा करते हुए बुनकर समाज के सामने आ रही चुनौतियों और भविष्य की संभावनाओं पर भी विचार-विमर्श किया गया। भाजपा बुनकर प्रकोष्ठ संयोजक ईश्वर कुमार देवांगन ने कहा कि बुनकर कार्य हमारी पारंपरिक कला और संस्कृति का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसे संरक्षित और विकसित करना समय की आवश्यकता है। उन्होंने युवाओं को इस कार्य से जोड़ने और उन्हें प्रेरित करने पर विशेष जोर दिया, ताकि यह परंपरा आगे भी जीवित रहे और बुनकर समाज आर्थिक रूप से सशक्त हो सके।

इस दौरान प्रदेश झुग्गी-झोपड़ी प्रकोष्ठ के सह संयोजक दिनेश देवांगन ने बुनकरों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए आश्वस्त किया कि इन मुद्दों को शासन-प्रशासन तक पहुंचाकर उनके समाधान के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा तथा बुनकरों को केंद्र एवं राज्य शासन की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ दिलाने के लिए पहल की जाएगी।

इस अवसर पर बुनकर प्रकोष्ठ सह संयोजक कन्हैया देवांगन, झुग्गी-झोपड़ी प्रकोष्ठ जिला सह संयोजक दीपक सिन्हा, सदर गौरव पथ मंडल के मंत्री कुंदन साहू सहित बुनकर संघ के पदाधिकारी एवं सदस्यगण उपस्थित रहे।

राजस्व वसूली में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कर्मचारियों का सम्मान

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग में वित्तीय वर्ष समाप्ति के पश्चात राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता आयुक्त सुमित अग्रवाल द्वारा की गई, जिसमें निगम क्षेत्र के वार्डवार राजस्व वसूली की विस्तृत समीक्षा की।

बैठक के दौरान उन्होंने राजस्व वसूली को और अधिक गति देने के लिए सख्त निर्देश दिए। उन्होंने बकाया करदाताओं पर कार्रवाई करते हुए नल कनेक्शन विच्छेद करने, वारंट जारी करने एवं आवश्यकतानुसार दुकानों को सील करने के संबंधित निर्देश अधिकारियों को दिए।

इसी क्रम में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों को सम्मानित भी किया गया। राजस्व विभाग के कर्मचारी राजेश ताम्रकार द्वारा न्यू आदर्श नगर क्षेत्र में सर्वाधिक वसूली की गई, वहीं उरला वार्ड से शिवा परिहार दूसरे स्थान पर रहे। दोनों कर्मचारियों को आयुक्त द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। उन्होंने सभी कर्मचारियों को इसी प्रकार समर्पण और जिम्मेदारी के साथ कार्य करने हेतु प्रेरित करते हुए भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन की अपेक्षा जताई।

Since 1972
CROWN-TV®
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

प्रमुख खबरें

बेरोजगार युवाओं हेतु सुरक्षा जवान एवं ड्रोन पायलेट भर्ती केम्प 13 और 15 अप्रैल को

गौरेला पेंड्रा मरवाही। औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था गौरेला के सहयोग से जीडीएक्स ग्रुप ग्रेटर नोएडा एवं भारत सरकार के पसारा एक्ट के तहत 100 सुरक्षा जवान, 20 ड्रोन पायलेट, 30 सुरक्षा सुपरवाईजर एवं कंप्यूटर ऑपरेटर भर्ती हेतू शिविर 13 अप्रैल को शासकीय आईटीआई मरवाही में और 15 अप्रैल को शासकीय आईटीआई गौरेला में सुबह 10 बजे से अपरान्ह 3 बजे तक भर्ती कैम्प आयोजित किया जा रहा है। इच्छुक युवा जिनकी योग्यता 10वी पास, उम्र 18 से 40 वर्ष, ऊँचाई 168 सेमी0, वजन 52से 96 किलो और सुपरवाईजर हेतु स्नातक के साथ कम्प्यूटर ज्ञान, उम्र 22 से 40 वर्ष, ऊँचाई 170 सेंटी मीटर, वजन 55 से 96 किलो हो, वे सभी 10 वी पास अथवा अधिकतम प्रमाणपत्र की छायाप्रति एवं आधार कार्ड की छायाप्रति, दो पासपोर्ट साईज फोटो के साथ स्वयं शासकीय आईटीआई में उपस्थित होकर आफलाईन आवेदन कर सकते हैं। इस भर्ती शिविर में दूसरे जिले के युवा भी शासकीय आईटीआई में स्वयं उपस्थित होकर आफलाईन आवेदन कर सकते है। अधिक जानकारी के लिए भर्ती अधिकारी के मोबाइलनंबर- +91-9311947932 एवं +91-9667989993 पर सम्पर्क कर सकते हैं। चयनित युवाओं को जीडीएक्स ग्रुप के ट्रेनिंग सेंटर एन.आई.एम.टी कैंपस नियर परीचौक मेट्रो स्टेशन, एनआईएमटी कालेज प्रांगण में स्थित सेंटर में 15 दिन के आवासीय प्रशिक्षण के बाद प्रमाण पत्र के साथ मध्यप्रदेश के बड़े-बड़े ओद्योगिक क्षेत्रों में 15 हजार से 25 हजार तक के मासिक सेलरी के साथ 58 वर्ष तक स्थाई नौकरी के साथ ही पीएफ, पेंशन, जीवन बीमा, फेमिली मेडिकल सुविधा, सालाना वेतन में वृद्धि, लोन की सुविधा, प्रमोशन जैसे अनेक सुविधाओ के साथ ड्यूटी दौरान रहने एवं खाने की सुविधाएं रियायती दरों पर दी जाएगी।

सुशासन का असरः एक कॉल में हल हो रही आमजनों की समस्याएं

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देशन में रायपुर जिला प्रशासन द्वारा संचालित जिलास्तरीय हेल्पलाइन नंबर (कॉल सेंटर) आम नागरिकों के लिए त्वरित समाधान का सशक्त माध्यम बनती जा रही है। अब रायपुर में लोगों को समस्याओं का समाधान एक कॉल पर मिल रहा है। जिलास्तरीय हेल्पलाइन नंबर पर अपनी शिकायत दर्ज कराने के कुछ ही दिनों के भीतर संबंधित विभाग द्वारा समस्या का निराकरण किया जा रहा है।

उद्योग व श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन के जन्मदिन के अवसर पर विशेष

उद्योग और श्रम विभाग के समन्वय से संवर रहा छत्तीसगढ़

छगन लाल लोन्हारे

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार ने जिस स्पष्ट नीति के साथ श्रमिकों और उद्योगों के समन्वित विकास को प्राथमिकता दी है, वह आज ठोस परिणामों के रूप में सामने आ रही है। श्रम विभाग की योजनाओं में यह भावना स्पष्ट झलकती है कि श्रमिक केवल आर्थिक इकाई नहीं, बल्कि समाज की आधारशिला हैं।

उनके जीवन में स्थायित्व, सम्मान और सुरक्षा लाना ही सच्चे विकास का संकेत है। 12 अप्रैल का यह विशेष अवसर उद्योग तथा श्रम मंत्री श्री लखनलाल देवांगन के समर्पण, कार्यक्षमता और जनसेवा की भावना को याद करने का दिन है। आपके कुशल नेतृत्व से ही छत्तीसगढ़ प्रगति, समृद्धि और समान अवसरों का आदर्श राज्य बनकर उभरा है।

2026 रजत जयंती वर्ष में छत्तीसगढ़ के विकास की वर्तमान यात्रा केवल योजनाओं और घोषणाओं की कहानी भर नहीं है, बल्कि यह एक ऐसे नेतृत्व की कथा है जिसने श्रमिक, युवा, उद्यमी और समाज के हर वर्ग को साथ लेकर आगे बढ़ने का संकल्प लिया है। इस परिवर्तनकारी दौर में उद्योग व श्रम मंत्री श्री लखनलाल देवांगन का योगदान विशेष रूप से उल्लेखनीय है। उनका कार्य केवल प्रशासनिक दक्षता तक सीमित नहीं है बल्कि सामाजिक संवेदनशीलता और दूरदर्शिता का जीवंत उदाहरण है। छत्तीसगढ़ सरकार ने 25 वर्ष की अल्प आयु में उद्योग के क्षेत्र में जो एक नया इतिहास रचने का संकल्प लिया है वह किसी से छिपा नहीं है। उद्योग के क्षेत्र में आज छत्तीसगढ़ की अपनी एक अलग पहचान है। नई उद्योग नीति (2024-2030) में छत्तीसगढ़ के समावेशी विकास पर जोर दिया गया है।

श्रमिकों के सशक्तिकरण की दिशा में उठाए गए कदमों में सबसे प्रेरणादायक पहल श्रमिकों के बच्चों को उत्कृष्ट विद्यालयों में निःशुल्क शिक्षा उपलब्ध कराना है। यह केवल एक योजना नहीं, बल्कि परिवर्तन का वह मार्ग है जिससे कि आने वाली नई पीढ़ी ज्ञान और अवसरों के माध्यम से अपना सुनहरा और सुरक्षित भविष्य स्वयं गढ़ सके। आज के संदर्भ में श्रमिक परिवारों के बच्चों का राज्य के प्रतिष्ठित स्कूलों में शिक्षा प्राप्त करना, एक नए छत्तीसगढ़ की तस्वीर प्रस्तुत करता है। इसके साथ ही मेरिट में आने वाले विद्यार्थियों को लाखों रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान करना

सरकार की उस सोच को दर्शाता है, जिसमें प्रतिभा का सम्मान सर्वोपरि है। यह न केवल उन बच्चों के लिए गौरव का क्षण है, बल्कि पूरे श्रमिक समाज के लिए आत्मविश्वास का स्त्रोत भी है।

उद्योग और श्रम विभाग से आर्थिक सशक्तिकरण के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय प्रगति हुई है। पिछले दो वर्षों में सैकड़ों करोड़ रुपये सीधे श्रमिकों के खातों में हस्तांतरित किए गए हैं, जिससे न केवल पारदर्शिता बढ़ी है, बल्कि सरकार की योजनाओं का वास्तविक लाभ भी सुनिश्चित हुआ है। प्रतिदिन हजारों श्रमिकों को विभिन्न योजनाओं का लाभ मिलना इस बात का प्रमाण है कि शासन की नीतियां धरातल पर प्रभावी रूप से लागू हो रही हैं। श्रमिकों के जीवन को अधिक सुरक्षित और सम्मानजनक बनाने के लिए आवास सहायता, शहीद वीर नारायण सिंह श्रम अन्न योजना, दुर्घटना में त्वरित आर्थिक सहयोग जैसी पहलें अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। विशेष रूप से 'श्रम अन्न योजना' के अंतर्गत मात्र 5 रुपये में गरम और पौष्टिक भोजन। 'श्रम अन्न योजना' के अंतर्गत मात्र 5 रुपये में गरम और पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराना, एक मानवीय और संवेदनशील शासन का परिचायक है।

औद्योगिक विकास के क्षेत्र में भी मंत्री लखनलाल देवांगन के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ ने नई ऊंचाईयों को छुआ है। औद्योगिक विकास नीति 2024-30 के माध्यम से राज्य में निवेशको को प्रोत्साहित करने और रोजगार के अवसर बढ़ाने की दिशा में ठोस कदम उठाए गए हैं। करोड़ों रुपये के निवेश प्रस्ताव, सैकड़ों नए उद्योगों की स्थापना और हजारों युवाओं को रोजगार मिलना इस नीति की सफलता को प्रमाणित करता है।

नवा रायपुर में देश का पहला एआई डाटा सेंटर स्थापित करने की दिशा में बढ़ता कदम, सेमीकंडक्टर और आईटी जैसे उभरते क्षेत्रों में निवेश, तथा स्टार्टअप नीति का क्रियान्वयन ये सभी पहलें छत्तीसगढ़ को पारंपरिक अर्थव्यवस्था से आगे बढ़ाकर आधुनिक तकनीकी युग में स्थापित कर रही हैं। यह बदलाव केवल आर्थिक नहीं, बल्कि सामाजिक संरचना को भी नई दिशा देने वाला है। प्रशासनिक सुधारों के क्षेत्र में ई-निविदा प्रणाली और सिंगल विंडो सिस्टम जैसे कदमों ने पारदर्शिता को बढ़ाया है जिससे निवेशकों का विश्वास मजबूत हुआ है और राज्य में व्यापार करने की प्रक्रिया सरल बनी है। यही कारण है कि छत्तीसगढ़ आज निवेशकों के लिए एक आकर्षक गंतव्य बनता जा रहा है।

सामाजिक समावेशन को छत्तीसगढ़ सरकार ने अपनी विकास यात्रा का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया गया है। महिला उद्यमियों को प्रोत्साहन, कामकाजी महिलाओं के लिए हॉस्टल और दूरस्थ क्षेत्रों में औद्योगिक विकास की योजनाएं यह सुनिश्चित करती हैं कि विकास का लाभ समाज के हर वर्ग तक पहुंचे। सामाजिक समावेश नही किसी भी राज्य की वास्तविक प्रगति का आधार होता है।

उद्योग तथा श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन ने अपने गंभीर व दूर-दृष्टि सोच एवं विभागीय दायित्वों के माध्यम से यह सिद्ध किया है कि यदि नेतृत्व में संवेदनशीलता और स्पष्ट दृष्टि हो, तो विकास केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि लोगों के जीवन में वास्तविक परिवर्तन लाता है। वहीं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सरकार के मार्गदर्शन में यह परिवर्तन और अधिक सशक्त और व्यापक रूप ले रहा है।

(लेखक छत्तीसगढ़ जनसम्पर्क विभाग में उप संचालक हैं)

ध्रुव गोंड समाज का 70वां महाधिवेशन सम्पन्न

श्रीकंचनपथ समाचार

धमतरी। धमतरी जिले की नगरी तहसील अंतर्गत सिहावा- ग्राम गट्टासिल्ली में आदिवासी ध्रुव गोंड समाज का 70वां वार्षिक महासभा एवं महाधिवेशन गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। इस महत्वपूर्ण आयोजन में समाज के पदाधिकारियों, युवाओं एवं बड़ी संख्या में सदस्यों की उत्साहपूर्ण सहभागिता देखने को मिली। कार्यक्रम में प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय वर्चुअल माध्यम से शामिल हुए और समाज को संबोधित किया।

महाधिवेशन में आदिवासी ध्रुव गोंड समाज नगरी के अध्यक्ष सुरेन्द्र ध्रुव, महासचिव नरेश छेदैया, कोषाध्यक्ष सुरेश ध्रुव, गट्टासिल्ली के अध्यक्ष सियाराम नेताम, युवा प्रभाग के अध्यक्ष संजय मरकाम सहित अन्य सामाजिक पदाधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपने उदबोधन में कार्यक्रम में प्रत्यक्ष रूप से उपस्थित न हो पाने पर खेद व्यक्त किया तथा शीघ्र ही समाज के बीच आने का विश्वास दिलाया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के महाधिवेशन समाज की एकता, सांस्कृतिक संरक्षण और सामाजिक सशक्तिकरण के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं। ऐसे आयोजन समाज के लोगों को एक मंच पर लाकर संवाद, विचार-विमर्श और आपसी समन्वय को बढ़ावा देते हैं, जिससे समाज के साथ-साथ प्रदेश और देश के समग्र विकास को गति मिलती है।

मुख्यमंत्री ने राज्य एवं केंद्र सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि शासन का लक्ष्य अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाना है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से जरूरतमंद परिवारों को पक्का मकान उपलब्ध कराया जा रहा है। प्रदेश में किसानों के हित में 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी की गई है। तेंदूपत्ता संग्राहकों के पारिश्रमिक में वृद्धि की गई है। चरण पादुका योजना को पुनः प्रारंभ किया गया है। सरकार जनजातीय समुदायों के सर्वांगीण विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं रोजगार के अवसरों के विस्तार के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री साय ने नवा रायपुर में स्थापित जनजातीय संग्रहालय का विशेष उल्लेख करते हुए कहा कि यह संग्रहालय जनजातीय संस्कृति, परंपराओं और विरासत का सजीव प्रतिबिंब है। उन्होंने समाज के सभी सदस्यों से इस संग्रहालय का अवलोकन करने का आग्रह किया।

अंगना म शिक्षा : 1252 स्कूल सीधे जुड़े

श्रीकंचनपथ समाचार

कोण्डागांव। जिले में 'अंगना में शिक्षा' कार्यक्रम के अंतर्गत शनिवार को जिले के सभी प्राथमिक शालाओं में 'पढ़ई तिहार' का व्यापक आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना के निर्देशन में तथा जिला शिक्षा अधिकारी के नेतृत्व में संपन्न हुआ।

शिक्षा विभाग से मिली जानकारी के अनुसार जिले के पांचों विकासखंड कोंडागांव, माकड़ी, फरसगांव, बड़ेराजपुर एवं केशकाल की कुल 1252 प्राथमिक शालाओं में आयोजित इस कार्यक्रम में 48,372 छात्र-छात्राएं, 2,754 शिक्षक-शिक्षिकाएं तथा बड़ी संख्या में माताएं एवं अभिभावक शामिल हुए। पूरे जिले में उत्साहपूर्ण वातावरण के साथ शिक्षा को जनआंदोलन का रूप दिया गया।

अंगना में शिक्षा' पहल क्या है- 'अंगना में शिक्षा' एक अभिनव पहल है, जिसका उद्देश्य बच्चों को घर एवं आंगन के वातावरण में सरल, सहज और आनंददायक तरीके से शिक्षा प्रदान करना है। इस अभियान में अभिभावकों, विशेषकर माताओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाती है, ताकि वे बच्चों की सीखने की प्रक्रिया में सहयोग कर सकें। इससे बच्चों की बुनियादी साक्षरता एवं गणनात्मक कौशल (एफएलएन) को मजबूती मिलती है और शिक्षा के प्रति सकारात्मक वातावरण तैयार होता है। 'पढ़ई तिहार' से बढ़ रही जागरूकता- 'पढ़ई तिहार' के माध्यम से बच्चों की शैक्षणिक गतिविधियों, नवाचारों एवं शिक्षण पद्धतियों का प्रदर्शन किया गया। इससे समुदाय में शिक्षा के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ी और अभिभावकों की सहभागिता मजबूत हुई। वही कार्यक्रम के सफल संचालन के लिये सभी विकासखंड शिक्षा अधिकारियों, स्त्रोत समन्वयकों, संकुल प्राचार्यों एवं समन्वयकों के साथ डीआरजी एवं बीआरजी टीमों द्वारा सतत निरीक्षण किया गया। साथ ही राज्य स्तर पर प्राप्त लिंक के माध्यम से ऑनलाइन एंट्री का कार्य भी किया गया। इस वर्ष 'पढ़ई तिहार' में कुछ महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं । बढ़ती गर्मी को देखते हुए कार्यक्रम की तिथि 25 अप्रैल के स्थान पर 11 अप्रैल निर्धारित की गई।

ग्रामीण बस योजना से कुमिता के सपनों को मिले पंख

श्रीकंचनपथ समाचार

अम्बिकापुर। शिक्षा और आत्मनिर्भरता की राह में जब परिवहन की बाधा दूर होती है, तो सफलता की कहानी खुद-ब-खुद लिखी जाने लगती है। सरगंवा की रहने वाली कुमिता की कहानी भी कुछ ऐसी ही है, जिनके लिए मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना केवल एक वाहन नहीं, बल्कि उनके करियर की उड़ान का जरिया बन गई है।

कुमिता वर्तमान में यूजीसी नेट जैसी प्रतिष्ठित राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा की तैयारी कर रही हैं। इसके लिए वे प्रतिदिन सरगंवा से लाइब्रेरी आती हैं। कुमिता बताती हैं कि पहले क्षेत्र में बसों की भारी किल्लत थी। उन्होने बताया कि पहले बस का विकल्प नहीं था, तो बहुत जल्दी वापस लौट जाती थी। इस वजह से उन्हें न चाहते हुए भी लाइब्रेरी से जल्दी निकलना पड़ता था। पढ़ाई के लिए पर्याप्त समय नहीं मिल पा रहा था और टाइम मैनेज करना एक बड़ी चुनौती बन गई थी।

मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना से बदला परिदृश्य

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल पर शुरू हुई 'मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना' ने कुमिता जैसी हजारों छात्राओं की राह आसान कर दी है। अब बस न केवल समय पर उपलब्ध हैं, बल्कि गाँव-गाँव और गली-गली तक पहुँच रही हैं।

कुमिता अब अपने समय का बेहतर प्रबंधन कर पा रही हैं, जिससे वह देर तक निश्चित होकर लाइब्रेरी में पढ़ाई कर सकती हैं। बस की निर्धारित समय-सारणी के कारण उन्हें देर रात घर लौटने का डर नहीं रहता, जिससे उनकी सुरक्षा की भावना बढ़ी है। इसके साथ ही, जिन गाँवों तक पहले बस सेवा उपलब्ध नहीं थी, वहाँ अब सुगम आवाजाही संभव हो गई है।

आवागमन आसान होने से न केवल कुमिता बल्कि ऐसे अनेक लोगों के सपनों को पंख मिल गए हैं जिनके लिए किसी भी काम के लिए शहर जाना काफी मुश्किल और खर्चीला काम था।

जताया आभार

कुमिता अपनी खुशी साझा करते हुए कहती हैं कि, अब मैं फिक्स टाइम पर घर पहुँच जाती हूँ। इस बस सेवा ने मुझे पढ़ने के लिए एक्स्ट्रा टाइम दे दिया है। हमारे मुख्यमंत्री जी की वजह से अब ग्रामीणों को आने-जाने में कोई परेशानी नहीं हो रही है। मैं इस सुविधा से बहुत खुश हूँ।

मधुमक्खी : शहद ही नहीं परागण में भी मददगार

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में किसानों की आय बढ़ाने और उन्हें वैकल्पिक आजीविका से जोड़ने के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इसी क्रम में राष्ट्रीय बागवानी मिशन एवं राज्य योजना के अंतर्गत मधुमक्खी पालन को बढ़ावा दिया जा रहा है। जशपुर जिले में इस योजना के तहत 20 किसानों को आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है।

योजना के अंतर्गत लाभार्थियों को मधुमक्खी पालन के लिए आवश्यक संसाधनों पर अनुदान दिया जा रहा है, जिसमें मधुमक्खी पेटी (बी बॉक्स) सहित कॉलोनी के लिए 1600 रुपये, मधुमक्खी छत्ता हेतु 800 रुपये तथा मधु निष्कासन यंत्र के लिए 8000 रुपये की सहायता शामिल है। इस पहल से किसान कम लागत में अतिरिक्त आय अर्जित कर रहे हैं।

फसल में अहम भूमिका

मधुमक्खियां केवल शहद उत्पादन तक सीमित नहीं हैं, बल्कि परागण के माध्यम से फसलों की पैदावार बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। सरसों, आम, लीची, अमरूद, सूरजमुखी, धनिया एवं विभिन्न सब्जी फसलों में मधुमक्खियों द्वारा परागण से उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि होती है। इससे कृषि अधिक लाभकारी और टिकाऊ बनती है।

मधुमक्खी पालन ग्रामीण युवाओं और महिलाओं के लिए स्वरोजगार का एक प्रभावी साधन बनकर उभर रहा है। प्रशिक्षण लेकर कोई भी व्यक्ति इस व्यवसाय को आसानी से शुरू कर सकता है। शहद, मोम और रॉयल जेली जैसे उत्पादों की बाजार में अच्छी मांग होने से आय के स्थायी स्त्रोत विकसित हो रहे हैं।

मधुमक्खियां जैव विविधता बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग से मधुमक्खियों की संख्या में कमी आ रही है, जो पर्यावरण के लिए चिंता का विषय है। ऐसे में मधुमक्खी-अनुकूल खेती को बढ़ावा देना आवश्यक है।

मधुमक्खी पालन कम लागत में अधिक मुनाफा देने वाला व्यवसाय है। एक मधुमक्खी बॉक्स से वर्ष में कई बार शहद उत्पादन किया जा सकता है। वैज्ञानिक तकनीकों, उचित प्रबंधन और मौसम के अनुसार देखभाल करने से किसान बेहतर उत्पादन और अधिक आय प्राप्त कर सकते हैं।

यह पहल न केवल किसानों की आय बढ़ाने में सहायक है, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रही है।

नियद नेल्लानार, मनरेगा और पीएम आवास से बदली बीजापुर के 224 गांवों की तस्वीर

- दशकों से विकास से कटे इलाकों में पहुंचा रोजगार, राशन और शिक्षा, सुरक्षित आवास; 5 लाख मानव दिवस हुए सृजित
- वापस लौटे गांव, बदली जिंदगीः नक्सल इलाके में विकास की कहानी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। लंबे समय तक नक्सल प्रभाव के कारण विकास से अछूते रहे बीजापुर जिले के अंदरूनी क्षेत्रों में अब बदलाव की बयार देखने को मिल रही है। नियद नेल्लानार योजना और मनरेगा के संयुक्त प्रयासों से उन गांवों तक विकास पहुंचा है, जहां दशकों तक नक्सल प्रभाव के कारण बुनियादी सुविधाएं नहीं पहुंच पा रही थी।

बीजापुर जिले में नियद नेल्लानार योजना के तहत 42 सुरक्षा कैम्पों के माध्यम से 67 ग्राम पंचायतों के 224 गांवों को शामिल किया गया है। इस पहल में मनरेगा की सक्रिय भागीदारी से स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन और आधारभूत ढांचे के निर्माण को गति मिली है।

इन ग्रामों में अब तक 16671 जॉबकार्ड पंजीकृत हैं, जिनमें से 7,271 नए जॉब कार्ड बनाए गए हैं। जिससे हजारों परिवारों को गांव में ही रोजगार उपलब्ध हो रहा है। विशेष रूप से नक्सल प्रभावित वर्गों को मुख्यधारा से जोड़ने पर जोर दिया गया है। इसमें 966 आत्मसमर्पित नक्सली, 178 घायल पीड़ित परिवार और 477 मृतक नक्सल पीड़ित परिवारों के जॉब कार्ड बनाकर मनरेगा योजना से जोड़ा गया है।

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत नियद नेल्लानार क्षेत्रों में 1,744 विकास कार्य कराए गए हैं, जिसमें 5 लाख से अधिक मानव दिवस सृजित हुए हैं।

इन कार्यों के जरिए न केवल स्थानीय स्तर पर ग्रामीण श्रमिकों को रोजगार मिला है, अपितु पलायन में भी कमी आई है और ग्रामीणों का शासन पर भरोसा मजबूत हुआ है।

नियद नेल्लानर क्षेत्र में 372 आजीविका डबरी की स्वीकृति देकर ग्रामीणों को आजीविका-मूलक गतिविधियों से जोड़ने की पहल की जा रही है।

जनपद पंचायत भैरमगढ़ के नियद नेल्लानार ग्राम पंचायत बेलनार जहां कभी नक्सली दहशत के कारण ग्रामीण गांव छोड़कर विस्थापित होने पर मजबूर थे। नियद नेल्लानार योजना में शामिल होने के बाद ग्रामीण पुनः अपने गांव लौट आये है। उनके आजीविका संवर्धन के लिए महात्मा गाँधी नरेगा योजनांतर्गत वर्ष 2025-26 में हितग्राही सहदेव कोरसा, लखु, सुदरू कोरसा की आजीविका डबरी पूर्ण हो चुके हैं। इन डबरी में मत्स्य पालन एवं हॉर्टिकल्चर विभाग से अभिसरण के माध्यम से मछली पालन एवं सब्जी उत्पादन का कार्य प्रस्तावित है।

नियद नेल्लनार क्षेत्र में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत आवास निर्माण कार्य तेजी से प्रगति पर है। इस योजना के तहत कुल 2977 हितग्राहियों को आवास स्वीकृति प्रदान की गई है, जिनमें से अब तक 690 हितग्राहियों का उनके पक्के आवास बनकर तैयार हैं। पूर्ण हो चुके आवासों में अब परिवार सुरक्षित एवं सम्मानजनक जीवन जी रहे हैं।

जनपद पंचायत बीजापुर के नियद नेल्लानार अंतर्गत ग्राम दुगाली में मनरेगा से निर्मित कुआं 100 से अधिक ग्रामीणों की प्यास बुझा रहा है। दुर्गम भौगोलिक स्थिति के कारण इस गांव में बोरिंग संभव नहीं थी, वहां यह कुआं स्थायी समाधान बनकर उभरा है।

तृप्ति डिमरी ने रचा इतिहास, बनी विक्टोरिया सीक्रेट से हाथ मिलाने वाली पहली भारतीय अभिनेत्री

फिल्म एनिमल की अपार सफलता के बाद नेशनल क्रश बनीं अभिनेत्री तृप्ति डिमरी ने वैश्विक स्तर पर एक ऐसी ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है, जिसने पूरे देश को गौरवान्वित कर दिया है। वो दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित और मशहूर फैशन ब्रांड विक्टोरिया सीक्रेट की पहली भारतीय ब्रांड एंबेसडर नियुक्त की गई हैं। ये न केवल उनके बढ़ते स्टारडम का प्रमाण है, बल्कि वैश्विक फैशन जगत में भारतीय सुंदरता की बदलती पहचान को भी दर्शाता है।

विक्टोरिया सीक्रेट के पास दुनियाभर के लगभग हर देश की ऐसी मॉडल हैं, जो उनके लॉन्जरी ब्रांड के लिए रैंप वॉक करती हैं, लेकिन अब तक इस ब्रांड ने भारत के लिए कभी कोई ब्रांड एंबेसडर नियुक्त नहीं किया था। हालांकि, भारतीय मूल की मॉडल पहले भी विक्टोरिया सीक्रेट के लिए रैंप पर उतर चुकी हैं। ब्रिटिश-भारतीय मॉडल नीलम गिल ने 2024 और 2025 में विक्टोरिया सीक्रेट फैशन शो में वॉक करने वाली पहली पंजाबी मॉडल बनकर इतिहास रचा था।

भारत की पहली ब्रांड एंबेसडर के तौर पर तृप्ति इस कैंपेन को वैश्विक स्तर पर नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए तैयार हैं। बतौर ब्रांड एंबेसडर उनका इससे जुड़ना, भारतीय बाजार में इस ब्रांड की पहुंच को एक नई और सशक्त दिशा प्रदान करेगा। विक्टोरिया सीक्रेट की स्थापना साल 1977 में कैलिफोर्निया में हुई थी। इसकी शुरुआत एक ऐसे लॉन्जरी स्टोर के रूप में की गई थी, जहां पुरुष बिना किसी झिझक के आराम से खरीदारी कर सकें।

ये कलेक्शन ब्रांड की उस सदाबहार शैली को दर्शाता है, जिसमें तृप्ति का व्यक्तित्व इस कैंपेन में नई जान फूंक रहा है। ब्रांड के साथ अपनी इस साझेदारी पर बात करते हुए तृप्ति बोलीं, मेरे लिए आकर्षक होने का मतलब सिर्फ लुक (दिखावट) से नहीं है, बल्कि ये आत्मविश्वास के बारे में है। ये इस बारे में है कि आप खुद को कितनी सहजता से पेश करते हैं और आप सचमुच जो हैं, उसे कितनी गर्व से स्वीकार करते हैं। तृप्ति अब एनिमल के बाद एक बार फिर संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म स्पिरिट में नजर आएंगी। इसमें तृप्ति साउथ स्टार प्रभास के साथ इश्क फरमाने वाली हैं।

तृप्ति फिल्म मां-बहन का भी हिस्सा हैं। ये एक कॉमेडी-ड्रामा होगी, जो साल 2026 में ही ओटीटी पर दस्तक दे सकती है। इस फिल्म में तृप्ति, माधुरी दीक्षित के साथ स्क्रीन शेयर करती दिखाई देंगी। इसके अलावा उन्हें हिंदी सिनेमा की दिग्गज अभिनेत्री परवीन बाबी की बायोपिक में देखा जाएगा।

विक्की कौशल की महावतार में श्रद्धा कपूर होंगी शामिल? फिल्म पर आया बड़ा अपडेट

विक्की कौशल के लिए साल 2025 बेहद शानदार साबित हुआ। उनकी ऐतिहासिक फिल्म छावा ने भारत में करीब 800 करोड़ के आसपास कारोबार करते हुए उन्हें सफलता दिलाई।

अब फैंस की नजरें अभिनेता की अगली फिल्म महावतार पर टिकी हुई हैं। मैडॉक फिल्म्स द्वारा निर्मित इस पौराणिक महाकाव्य को लेकर ताजा अपडेट है कि अभिनेत्री श्रद्धा कपूर इस परियोजना से जुड़ सकती हैं। इस खबर ने अभी से फैंस को बेहद उत्साहित कर दिया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, स्त्री फ्रैंचाइजी के निर्देशक अमर कौशिक अपनी महात्वकांक्षी परियोजना महावतार के लिए श्रद्धा से बाचीत कर रहे हैं। अगर सबकुछ तय हो जाता है तो फिल्म की शूटिंग जून, 2026 से शुरू की जा सकती है। सूत्र ने कहा, श्रद्धा इस किरदार के लिए बिल्कुल सही हैं। टीम ऐसी अभिनेत्री की तलाश में थी जो स्टार वैल्यू और दमदार उपस्थिति ला सके। निर्माताओं को उम्मीद है कि विक्की कौशल के साथ उनकी जोड़ी दर्शकों को पसंद आएगी।

महावतार में विक्की के साथ मुख्य किरदार के लिए श्रद्धा पहली अभिनेत्री नहीं हैं, उनसे पहले दीपिका पादुकोण का नाम चर्चा में था। ऐसी खबर थी कि दीपिका इस पौराणिक परियोजना में विक्की के साथ मुख्य महिला किरदार निभा सकती हैं, क्योंकि निर्माता उनके साथ बातचीत कर रहे हैं। अब ऐसा लगता है कि फिलहाल निर्माताओं ने श्रद्धा पर अपना ध्यान केंद्रित कर लिया है। फिलहाल श्रद्धा को आने वाले समय में बायोपिक फिल्म ईथा में देखा जाएगा।

आरजे महवश की सीरीज सतरंगी- बदले का खेल का ऐलान, जानिए कहां देगी दस्तक

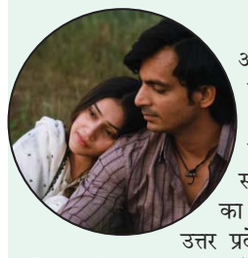

आरजे महवश को आखिरी बार वेब सीरीज प्यार, पैसा और प्रॉफिट में देखा गया था। अब उनकी नई सीरीज सतरंगी- बदले का खेल का ऐलान किया गया है जो उत्तर प्रदेश के ग्रामीण इलाकों की पृष्ठभूमि पर आधारित होगी। इसके निर्देशन की कमान जय बसंतु ने संभाली है, जबकि निर्माता दिलीप बच्चन झा और रितेश मोदी हैं। सीरीज में महवश के साथ अंशुमान पुष्कर मुख्य किरदार में दिखाई देंगे, जिन्हें साल मोहब्बत और 12वीं फेल से पहचान मिल चुकी है।

सतरंगी- बदले का खेल का प्रीमियर जी5 पर किया जाएगा। रिलीज तारीख आना बाकी है। सीरीज से पहला पोस्टर भी सामने आया है जिसमें महवश और अंशुमान की एक झलक को पेश किया गया है। इसकी कहानी भावनात्मक रिश्तों, सामाजिक कलंक और जटिल रिश्तों के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसमें सम्मान, प्रेम और बदले का मिश्रण शामिल है। सीरीज में कुमुद मिश्रा, उपेन चौहान, सद्दाम सोफिया हुसैन, अतुल कुसुम संजय और बी शांतुनु जैसे सितारे भी अहम भूमिकाओं में शामिल होंगे।

पहले दिन 'धुरंधर 2' के सामने ऐसा हुआ 'डकैत' का हाल

मृणाल ठाकुर और आदिवी शेष स्टारर 'डकैतः एक प्रेम कथा' सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। अब फिल्म के पहले दिन का कलेक्शन भी सामने आ गया है। फिल्म को क्रिटिक्स और दर्शकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया हासिल हो रही है। जानते हैं कि अब पहले दिन कैसा रहा 'डकैत' फिल्म का हाल?

कई रिलीज डेट बदलने के बाद अब अंततः 'डकैत' आज सिनेमाघरों में रिलीज हुई। सैकनिल्क के मुताबिक, 'डकैत' ने अपने पहले दिन खबर लिखे जाने तक 3.09 करोड़ रुपए की कमाई कर ली है। हालांकि, देर रात इन आंकड़ों के बदलने की उम्मीद है। लेकिन अभी तक फिल्म की शुरुआत धीमी रही है।

'डकैत' का मुकाबला बॉक्स ऑफिस पर रणवीर सिंह की 'धुरंधर 2' से है। 'धुरंधर 2' 23 दिनों से बॉक्स ऑफिस पर बनी हुई है और लगातार अच्छे आंकड़े हासिल कर रही है। अपने 23वें दिन भी 'धुरंधर 2' ने 3.33 करोड़ रुपए की कमाई की है। देर रात तक इसके भी बदलने की उम्मीद है। ऐसे में शुरुआती आंकड़ों में ही 'डकैत' 'धुरंधर 2' से पिछड़ती नजर आ रही है।

'डकैत' की कहानी हरिदास (अदिवी शेष) की है, जो 13 साल जेल में बिताने के बाद बाहर निकलने की फिराक में है। उसके पास एक प्लान है। पैसे जुटाओ और विदेश निकल जाओ। लेकिन, उसकी जिंदगी का सबसे बड़ा अधूरा चैप्टर है जूलियट (मृणाल ठाकुर), जिसे वह अपने जेल जाने की वजह मानता है। जब दोनों वर्षों बाद आमने-सामने आते हैं, तो मामला सिर्फ प्यार का नहीं रहता। यहां जरूरत, गुस्सा और मजबूरी तीनों साथ खड़े नजर आते हैं।

इसी दौरान हरिदास को पता चलता है कि एक अस्पताल के अंदर भारी मात्रा में काला पैसा घूम रहा है, जिसे अस्पताल का मालिक (प्रकाश राज) संभाल रहा है। जूलियट अपने किसी करीबी के इलाज के लिए 1 करोड़ रुपये जुटाने में लगी है और हरिदास इस मौके को एक प्लान में बदल देता है। कहानी में कई मौके आते हैं जहां यह बहुत मजबूत बन सकती थी। फिल्म में प्यार, धोखा, एक्शन और इमोशन सबकुछ देखने को मिलता है। फिल्म के क्लाईमेक्स की काफी तारीफ की जा रही है।

शेनिल देव द्वारा निर्देशित 'डकैत' को दर्शकों और क्रिटिक्स की मिली जुली प्रतिक्रिया हासिल हो रही है। हालांकि, देखना ये है कि यह फिल्म वीकेंड पर कैसा प्रदर्शन कर पाती है। फिल्म में आदिवी शेष और मृणाल ठाकुर प्रमुख भूमिका में नजर आए हैं। इसके अलावा अनुराग कश्यप, प्रकाश राज, अतुल कुलकर्णी और जरीना वहाब भी अहम भूमिकाओं में दिखाई दिए हैं।

नवीन राज शंकरपु, पूजा सुहासिनी फिल्म थेराचापा का ट्रेलर लॉन्च हुआ

अनन्या क्रिएशन्स बैनर के तहत कैलाश दुर्गम द्वारा निर्मित आगामी फिल्म थेराचापा का ट्रेलर भव्य तरीके से लॉन्च किया गया है। जोएल जॉर्ज द्वारा निर्देशित, फिल्म में नवीन राज शंकरपु, पूजा सुहासिनी और श्रीलु प्रमुख भूमिकाओं में हैं, जिसमें राजीव कनकला, पृथ्वीराज, जगदीश प्रताप बंडारी, फिश वेंकट, जबरदस्त अशोक, नागी, अप्पाराव, राइजिंग राजू, राजेश भूपति, नागा वामसी, श्रीनिवास नेसा, चंद्रा और अन्य शामिल हैं।

फिल्म की छायांकन अज़ीम और वेंकट ने की है, जबकि संगीत प्रजल कृष्ण ने तैयार किया है और पृष्ठभूमि संगीत एमएल राजा ने दिया है। संपादन राजू बोदासिंगी ने किया है और कोरियोग्राफी जीवन जॉर्ज ने की है। जैसे-जैसे रिलीज़ की तारीख नज़दीक आ रही है, निर्माताओं ने ट्रेलर जारी किया है, जो फिल्म की दुनिया की एक झलक पेश करता है। ट्रेलर एक सुखद और सुकून देने वाले बैकग्राउंड संगीत से शुरू होता है, जो एक तटीय गाँव में घटित कहानी का माहौल तैयार करता है। यह ग्रामीण जीवन के सार को

दर्शाता है जो प्रेम, रिश्तों, राजनीति और सामाजिक विभाजनों से भरा हुआ है। कहानी एक ऐसे युवक के इर्द-गिर्द घूमती प्रतीत होती है जो अपने गाँव की मौजूदा परिस्थितियों के खिलाफ विद्रोह करता है, और भावनात्मक संघर्षों और सामाजिक समस्याओं को उजागर करता है। संवाद और प्रस्तुति उत्कृष्ट हैं, जो एक आकर्षक सिनेमाई अनुभव का वादा करते हैं।

कुल मिलाकर, थेराचापा एक आशाजनक ग्रामीण राजनीतिक ड्रामा प्रतीत होता है जो तेलुगु सिनेमा में एक नया मानदंड स्थापित कर सकता है।

खाना बनाना सीखना चाहते हैं? इन 5 तरीकों से बढ़ाएं अपनी रसोई की काबिलियत

खाना बनाना एक कला है, जिसे सीखना और सुधारना कभी भी मुश्किल नहीं होता। अगर आप रसोई में नई-नई चीजें बनाना चाहते हैं तो कुछ आसान तरीकों से आप अपनी रसोई की काबिलियत को बढ़ा सकते हैं। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे तरीके बताएंगे, जिनसे आप न केवल खाना बनाना सीखेंगे, बल्कि अपने परिवार और दोस्तों को भी खुश कर सकेंगे। इन तरीकों से आप रसोई में अधिक आत्मविश्वास के साथ काम कर सकेंगे।

रसोई की सफाई और व्यवस्था बनाए रखें

रसोई की सफाई और व्यवस्था बनाए रखना बहुत जरूरी है। इससे न केवल काम करने में आसानी होती है, बल्कि आपको हर चीज आसानी से मिल भी जाती है। रोजाना अपने किचन के काउंटर को साफ करें, बर्तन तुरंत धो लें और सामग्री को सही जगह पर रखें। इसके अलावा हर हफ्ते अपने मसाले और खाने की चीजों को व्यवस्थित करें ताकि आपको पता रहे कि कौन-सी सामग्री कहां रखी हुई है।

सरल रेसिपी से शुरुआत करें

अगर आप नए हैं तो सरल रेसिपी से शुरुआत करें। जैसे कि सूप, सलाद या आम पकोड़ी आदि। इनसे आपको बुनियादी तकनीकें सीखने को मिलेंगी और आत्मविश्वास भी बढ़ेगा। धीरे-धीरे आप अधिक जटिल व्यंजन भी बना सकेंगे। इसके अलावा इन सरल रेसिपीज से आप अलग-अलग मसालों और सामग्रियों का उपयोग भी सीखेंगे, जिससे आपके खाने का स्वाद और गुणवत्ता दोनों ही बेहतर होंगे। इस तरह आप खाना बनाने में माहिर हो जाएंगे।

ऑनलाइन ट्यूटोरियल्स का करें उपयोग

आजकल इंटरनेट पर कई ऑनलाइन ट्यूटोरियल्स उपलब्ध हैं, जो आपके लिए बहुत मददगार साबित हो सकते हैं। वीडियो चैनल्स, ब्लॉग्स और ऐप्स की मदद से आप नई-नई रेसिपी सीख सकते हैं और उन्हें घर पर आजमा सकते हैं। इन ट्यूटोरियल्स से आपको अलग-अलग तकनीकों और टिप्स मिलेंगे, जो आपके खाना बनाने के अनुभव को और भी बेहतर बनाएंगे। इसके अलावा आप ऑनलाइन समुदाय का हिस्सा बनकर अन्य लोगों से भी सीख सकते हैं।

सही उपकरणों का करें चयन

खाना बनाने के लिए सही उपकरणों का होना बहुत जरूरी है। अच्छे चाकू, कटिंग बोर्ड, पैन और बर्तन रखें ताकि काम आसानी से हो सके। इसके अलावा मिक्सर ग्राइंडर, प्रेशर कुकर जैसी चीजें भी आपकी रसोई को सुविधाजनक बनाएंगी। सही उपकरणों से न केवल आपका समय बचेगा बल्कि आपका काम भी आसान होगा। इनसे आप अधिक कुशलता से खाना बना सकेंगे और आपके व्यंजनों की गुणवत्ता भी बेहतर होगी।

धैर्य रखें और प्रयोग करते रहें

खाना बनाना एक ऐसी कला है जिसमें धैर्य रखना बहुत जरूरी है। शुरुआत में कुछ गलतियां हो सकती हैं, लेकिन उनसे सीखकर आप बेहतर होंगे। लगातार प्रयोग करते रहने से आपकी तकनीक सुधरेगी और आपका आत्मविश्वास भी बढ़ेगा। इन सभी तरीकों को अपनाकर आप अपनी रसोई की काबिलियत बढ़ा सकते हैं और खाना बनाना सीख सकते हैं। याद रखें, अभ्यास ही सफलता की कुंजी है।

खास खबर

सुशासन का असरः एक कॉल में हल हो रही आमजनों की समस्याएं

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देशन में रायपुर जिला प्रशासन द्वारा संचालित जिलास्तरीय हेल्पलाइन नंबर (कॉल सेंटर) आम नागरिकों के लिए त्वरित समाधान का सशक्त माध्यम बनती जा रही है। अब रायपुर में लोगों को समस्याओं का समाधान एक कॉल पर मिल रहा है श्रीराम नगर फेस-2 निवासी विवेक प्रधनानी ने बताया कि उनकी कमर्शियल प्रॉपर्टी में लगे नल कनेक्शन को कटवाने के लिए वे नगर निगम के जोन कार्यालय में कुछ दिनों से आवेदन कर रहे थे, लेकिन समाधान नहीं मिल पा रहा था। इसके बाद उन्हें अखबार के माध्यम से जिलास्तरीय हेल्पलाइन नंबर की जानकारी मिली। उन्होंने कॉल सेंटर में अपनी शिकायत दर्ज कराई, जिसके कुछ ही दिनों के भीतर संबंधित विभाग द्वारा नल कनेक्शन काट दिया गया।

बच्चों के चेहरों पर मुस्कान, कर्मचारियों का जन्मदिन बना यादगार

रायपुर। जिले में शासकीय कर्मचारियों के जन्मदिन अब केवल व्यक्तिगत आयोजन नहीं रह गए हैं, बल्कि समाज सेवा का माध्यम बनते जा रहे हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मंशानुसार प्रधानमंत्री पोषण शक्ति योजना और न्योता भोज के अंतर्गत संचालित प्रोजेक्ट आओ बाँटें खुशियाँ का उद्देश्य ही है - खुशियों को बाँटना, और इस पहल को शासकीय कर्मचारी पूरे उत्साह के साथ अपना रहे हैं।इसी क्रम में आज नर्सिंग ऑफिसर तारा साहू ने अपने पुत्र गौरव का जन्मदिन आंगनबाड़ी केंद्र भाठागांव में, शिक्षिका चंचल विजय शुक्ला ने आंगनबाड़ी केंद्र मंगल बाजार कुंद्रापारा, स्टाफनर्स गोमति अहिरवार ने आंगनबाड़ी केंद्र अमलीडीह, कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर श्रद्धा दयाल ने आंगनबाड़ी केंद्र आम बिलाड़ी, सहायक वर्ग 3 कल्याणी पटेल ने आंगनबाड़ी केंद्र तुलसी, रूरल मेडिकल असिस्टेंट ज्योति चंद्राकर ने आंगनबाड़ी केंद्र दोन्देकला एवं हेडमास्टर राजेश कुमार नायक ने आंगनबाड़ी केंद्र ग्राम भाटापारा केंद्री में विद्यार्थियों के साथ जन्मदिवस के अवसर पर बच्चों के साथ केक काटकर, फल और पौष्टिक आहार वितरित कर इस दिन को विशेष बनाया।

वंदे मातरम् भारत को एकजुट करने का मंत्र है - बृजमोहन

अब देश के लिए मरने की नहीं, बल्कि अच्छा कार्य करते हुए देश के लिए जीने की जरूरतः सांसद

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वंदे मातरम् 150 साल बाद भी भारत को एकसूत्र में बांधने का मंत्र है। जब भी हमे भारत के प्रति प्यार और एकजुटता दिखानी होती है । हम वंदे मातरम् का जयघोष करते हैं। वंदे मातरम् को सभी स्कूल- कॉलेजों में अनिवार्य करके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वास्तविक रूप से इस गाने को सम्मान दिया है। यह बात सांसद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता बृजमोहन अग्रवाल का जिन्होंने शनिवार को वृंदावन हाल में वंदे मातरम् के 150 वीं वर्षगांठ पर आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में कही।

कार्यक्रम में 150वीं वर्षगांठ पर 15 जनवरी को रायपुर लोकसभा क्षेत्र में 5 लाख विद्यार्थियों द्वारा किए गए सामूहिक वंदे मातरम् गान पर मुख्य कार्यक्रम स्थल सुभाष स्टेडियम में आयोजित में सांस्कृतिक देशभक्ति कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले प्रतिभावान विद्यार्थियों, कलाकारों एवं संस्थाओं को सम्मानित किया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि, हम सब बचपन से स्कूलों में 'जन गण मन' गाते आए हैं, परंतु 'वंदे मातरम्' देश के क्रांतिवीरों का गीत रहा है। यह गीत आज़ादी के दीवानों का गीत था, लोगों को मर-मिटने के लिए प्रेरित करने वाला गीत था, अंग्रेजों को परेशान करने वाला गीत था और क्रांतिकारियों में जोश भरने वाला गीत था। यह देश की आज़ादी के लिए जन-जन के मन में उत्साह और देशभक्ति की भावना जागृत करने वाला गीत रहा है।आज समय बदल चुका है। उस समय 'देश के लिए मरना सीखो' की भावना थी, लेकिन आज आवश्यकता है 'देश के लिए जीना सीखो' की। अब देश के लिए मरने की नहीं, बल्कि अच्छा कार्य करते हुए देश के लिए जीने की जरूरत है।श्री बृजमोहन ने कहा कि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में इस महान गीत को उचित सम्मान मिल रहा है। यह वही गीत है जिसने हमें आज़ादी दिलाई, जिसने देशभक्ति की भावना पैदा की और लाखों लोगों को फांसी के फंदे पर झूलने के लिए भी प्रेरित किया। ऐसे गौरवशाली गीत का सम्मान होना चाहिए और देश के जन-जन में इसकी भावना जागृत होनी चाहिए।इसी उद्देश्य से 'वंदे मातरम्' के 150वें वर्ष के अवसर पर पूरे देश में जागरण का कार्यक्रम चलाया जा रहा है। सरकार द्वारा भी निर्देश जारी किए गए हैं कि बड़े आयोजनों में वंदे मातरम् का गायन किया जाए, ताकि नई पीढ़ी में देशभक्ति की भावना विकसित हो सके।रायपुर में भी इसी भावना के साथ 15 जनवरी को सामूहिक वंदे मातरम् गायन किया गया था। 5 लाख लोगों ने एक साथ 12 बजकर 55 मिनट पर 'वंदे मातरम्' का सामूहिक गायन किया। यह देश में अपने आप में एक ऐतिहासिक और सबसे बड़ा आयोजन रहा।

इस सामूहिकता ने यह सिद्ध किया कि एकता ही भारत की सबसे बड़ी ताकत है। जब बच्चों को यह अनुभव हुआ कि वे इस 5 लाख के समूह का हिस्सा हैं, तो उनके भीतर गर्व और गौरव की भावना विकसित हुई।सुभाष स्टेडियम में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम भी अत्यंत अलौकिक रहे, जिनकी सभी ने सराहना की। इन कार्यक्रमों में भाग लेने वाले प्रतिभावान बच्चों एवं संस्थाओं को सम्मानित करना हम सभी के लिए गौरव और गर्व का क्षण है। इस अवसर पर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने सभी प्रतिभागियों, आयोजकों और संस्थाओं को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम में राम संगीत महाविद्यालय, मैट्स यूनिवर्सिटी, डिग्री गर्ल्स कॉलेज, गुरुकुल कॉलेज, डागा गर्ल्स कॉलेज, देवेन्द्रनगर गर्ल्स कॉलेज, श्री बालाजी नर्सिंग कॉलेज, श्री नारायणा नर्सिंग कॉलेज, दिशा नर्सिंग कॉलेज, सीजी नर्सिंग कॉलेज, कोलंबिया नर्सिंग कॉलेज, शहीद नंदकुमार पटेल शासकीय महाविद्यालय, कृष्णा पब्लिक स्कूल सरोना एवं जवाहर नवोदय विद्यालय माना के विद्यार्थियों का सम्मान किया गया ।कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि उरला इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के अध्यक्ष अश्वनी गर्ग एवं छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ़ कॉमर्स के कार्यकारी अध्यक्ष जसप्रीत सलूजा थे । कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम संयोजक श्री दानसिंह देवांगन ने किया और आभार प्रदर्शन कार्यक्रम प्रभारी संजय जोशी ने किया। इस अवसर पर वरिष्ठ समाजसेवी राकेश मिश्रा, अमित डोये, सुप्रसिद्ध नृत्यांगना स्वप्निल करमहे एवं परमिंदर कौर आदि उपस्थित थे ।

अंगना म शिक्षा अभियान से 1252 स्कूलों के 48,372 विद्यार्थी व 2754 शिक्षक जुड़े

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोण्डागांव। जिले में 'अंगना में शिक्षा' कार्यक्रम के अंतर्गत शनिवार को जिले के सभी प्राथमिक शालाओं में 'पढ़ई तिहार' का व्यापक आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना के निर्देशन में तथा जिला शिक्षा अधिकारी के नेतृत्व में संपन्न हुआ। शिक्षा विभाग से मिली जानकारी के अनुसार जिले के पांचों विकासखंड कोंडागांव, माकड़ी, फरसगांव, बड़ेराजपुर एवं केशकाल की कुल 1252 प्राथमिक शालाओं में आयोजित इस कार्यक्रम में 48,372 छात्र-छात्राएं, 2,754 शिक्षक-शिक्षिकाएं तथा बड़ी संख्या में माताएं एवं अभिभावक शामिल हुए। पूरे जिले में उत्साहपूर्ण वातावरण के साथ शिक्षा को जनआंदोलन का रूप दिया गया।

अंगना में शिक्षा' पहल क्या है- 'अंगना में शिक्षा' एक अभिनव पहल है, जिसका उद्देश्य बच्चों को घर एवं आंगन के वातावरण में सरल, सहज और आनंददायक तरीके से शिक्षा प्रदान करना है। इस अभियान में अभिभावकों, विशेषकर माताओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाती है, ताकि वे बच्चों की सीखने की प्रक्रिया में सहयोग कर सकें। इससे बच्चों की बुनियादी साक्षरता एवं गणनात्मक कौशल (एफएलएन) को मजबूती मिलती है और शिक्षा के प्रति सकारात्मक वातावरण तैयार होता है।'पढ़ई तिहार' से बढ़ रही जागरूकता- 'पढ़ई तिहार' के माध्यम से बच्चों की शैक्षणिक गतिविधियों, नवाचारों एवं शिक्षण पद्धतियों का प्रदर्शन किया गया। इससे समुदाय में शिक्षा के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ी और अभिभावकों की सहभागिता मजबूत हुई। वही कार्यक्रम के सफल संचालन के लिये सभी विकासखंड शिक्षा अधिकारियों, स्रोत समन्वयकों, संकुल प्राचार्यों एवं समन्वयकों के साथ डीआरजी एवं बीआरजी टीमों द्वारा सतत निरीक्षण किया गया। साथ ही राज्य स्तर पर प्राप्त लिंक के माध्यम से ऑनलाइन एंट्री का कार्य भी किया गया।इस बार किए गए प्रमुख बदलाव- इस वर्ष 'पढ़ई तिहार' में कुछ महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं । बढ़ती गर्मी को देखते हुए कार्यक्रम की तिथि 25 अप्रैल के स्थान पर 11 अप्रैल निर्धारित की गई।

समर कैंप अब स्कूलों में न होकर घरों में आयोजित किया जाएगा, जिसमें माताओं की भूमिका प्रमुख रहेगी। समर कैंप में तीन प्रमुख बिंदु को शामिल किया गया है, जिसमें ब्लैकबोर्ड कॉर्नर के तहत घर में बच्चों के लिए छोटा ब्लैकबोर्ड या लेखन कोना तैयार कर उन्हें नियमित अभ्यास के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। दूसरा बच्चों में अनुशासन और स्वच्छता की आदत विकसित करने के लिये यूनिफार्म के महत्व पर जोर दिया जाएगा और तीसरा ओआरएस एवं स्वास्थ्य जागरूकता के तहत गर्मी में डिहाइड्रेशन से बचाव के लिए ओआरएस, नारियल पानी, नींबू पानी एवं नियमित जल सेवन की आदत विकसित की जाएगी। समर कैंप के संचालन की जिम्मेदारी 'स्मार्ट माता' को सौंपी गई है, जो घर पर ही बच्चों की शैक्षणिक गतिविधियों का संचालन करेंगी। इस कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी कोंडागांव समग्र शिक्षा के पेडागॉजी प्रभारी श्रीनिवास नायडू एपीसी द्वारा दी गई।

जीवन के प्रथम 1000 दिवस के दौरान पोषण के महत्व पोषण पखवाड़ा

श्रीकंचनपथ न्यूज

बीजापुर। कलेक्टर संबित मिश्रा के निर्देशान में जिला कार्यक्रम अधिकारी बिस्मिता पाटले महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जिले 09अप्रैल 2026 से 23 अप्रैल 2026 तक पोषण अभियान का आयोजन किया जा रहा है कुपोषण एवं एनीमिया के स्तर में उल्लेखनीय कमी लाने के उद्देश्य से पोषण अभियान का संचालन किया जा रहा है। इस दौरान सभी ग्राम पंचायतो में नवजात बच्चें के जीवन के प्रथम 1000 दिवस के दौरान पोषण के महत्व पर जानकारी दिया जा रहा है। आंगनबाडी केन्द्र में गर्भवती माता, शिशुवती माता एवं देखभालकर्ताओं को जीवन के प्रथम 1000 दिवस के दौरान पोषण की महत्व की जानकारी देते हुए समुदाय के साथ बैठक का आयोजन किया जा रहा है जिसमे , विशृद्ध स्तनपान एवं आहार के संबंध में व्यक्तिगत रूप से परामर्श करना भी बताया जा रहा है। व्यक्तिगत एवं समुदाय स्तर पर स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधित व्यवहार परिवर्तन पोषण अभियान एक मुख्य उददेश्य है। स्वच्छता संबंधित व्यापक प्रचार एवं प्रभावी व्यवहार परिवर्तन हेतु जन आंदोलन के रूप मे ''पोषण पखवाड़ा'' का आयोजन इस वर्ष भी 09 अप्रैल 2026 से 23 अप्रैल 2026 तक आयोजन किया जा रहा है। पोषण माह आयोजन अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जायेगा। पोषण प्रश्नोत्तरी, मासिक धर्म एवं स्वच्छता प्रबंधन पर चर्चा, कॉलेजों एवं स्कूलों में पोषण पर संगोष्ठी का आयोजन किया जाना है।

कलेक्टर ने किया सारंगढ़ में परिवार परामर्श केंद्र का शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

सारंगढ़ बिलाईगढ़ । कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे द्वारा परिवार परामर्श केंद्र एकत्व का शुभारंभ शनिवार को किया गया। यह केंद्र सिटी कोतवाली थाना परिसर में है, जहां अब पारिवारिक विवादों का शांति पूर्ण समाधान किया जाएगा। इस भवन को नवपदस्थ पुलिस कर्मियों ने सजाया था। कार्यक्रम में एसडीएम वर्षा बंसल, तहसीलदार तोमन ध्रुव, एसडीओपी स्नेहिल साहू, प्रभारी जितेंद्र चंद्रा एवं कोतवाली प्रभारी कामिल हक सहित अन्य उपस्थित थे।

कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे ने कहा कि समाज का महत्वपूर्ण इकाई परिवार है। परिवार में पति-पत्नी, पिता पुत्र जैसे कई रिश्तों के बीच विवाद की स्थिति निर्मित होती हैं। पहले जहां परिवार के बुजुर्ग आपसी विवादों को सयुंक्त परिवार में सुलझा लेते थे, वहीं अब ऐसे समस्याओं के समाधान के लिए इस प्रकार के परामर्श केंद्र की आवश्यकता महसूस की जा रही है। इसमें काउंसलर की संख्या बहुत महत्वपूर्ण है। ऐसे ही

सुविधा महिलाओं के लिए सखी वन स्टॉप सेंटर में भी है। पुलिस अधीक्षक आंजनेय वार्ष्णेय ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे के प्रयासों से पुलिस विभाग को यह महत्वपूर्ण सुविधा प्राप्त हुई है। उन्होंने बताया कि अब तक परिवार परामर्श केंद्र के माध्यम से 28 परिवारों को टूटने से बचाया जा चुका है, जो आज सुख, शांति और समृद्धि के साथ जीवनयापन कर रहे हैं। एडिशनल एसपी निष्ठा पांडे ने अपने संबोधन में कहा कि छोटी - छोटी बातों को नजरअंदाज करना ही रिश्तों को मजबूत बनाए रखने का मूल मंत्र है।

महापौर मीनल चौबे ने स्वच्छता के चार धुरंधर पहल का किया शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व और उपमुख्यमंत्री नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग अरुण साव के मार्गदर्शन में आज से राजधानी शहर रायपुर को स्वच्छ, स्वस्थ एवं पर्यावरण अनुकूल बनाने की दिशा में नगर पालिक निगम रायपुर ने एक और महत्वपूर्ण पहल की शुरुआत की है। आज रायपुर नगर पालिक निगम की महापौर मीनल चौबे द्वारा स्वास्थ्य विभाग अध्यक्ष गायत्री सुनील चंद्राकर सहित मिलकर स्वच्छता के चार धुरंधर अभियान का विधिवत शुभारंभ किया गया।

यह अभिनव पहल नए ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के अनुरूप शुरू की गई है, जिसका मुख्य उद्देश्य नागरिकों के बीच चार डिब्बा कचरा पृथक्करण प्रणाली को

प्रोत्साहित करना है, ताकि शहर में कचरा प्रबंधन को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके। चार श्रेणियों में होगा कचरे का पृथक्करण - अभियान के अंतर्गत घर घर स्तर पर कचरे को निम्न चार श्रेणियों में अलग करने पर विशेष जोर दिया जाएगा— गीला कचरा - सब्जियों के छिलके, बचे हुए खाद्य पदार्थ सूखा कचरा - प्लास्टिक, कागज, धातु आदि सैनिटरी कचरा - डायपर, सेनेटरी पैड विशेष देखभाल कचरा - घरेलू खतरनाक अपशिष्ट, पेंट एवं केमिकल के डिब्बे, घरेलू कीटनाशक तथा उपयोग की गई अथवा एक्सपायर्ड दवाइयां गीला और सूखा कूड़ा तो नियमित रूप से उत्पन्न होने वाली श्रेणी है एवं सेनेटरी और विशेष देखभाल वाला कूड़ा नियमित रूप से नहीं उत्पन्न होते है। लेकिन जब भी इस श्रेणी का कूड़ा तो इसे गीले और सूखे कूड़े में मिक्स न करे एवं पृथक से कचरा में डाले द्य

इस अवसर पर महापौर मीनल चौबे ने कहा, स्वच्छ शहर का सपना तभी साकार होगा जब हर नागरिक कचरे के पृथक्करण को अपनी दैनिक आदत बनाएगा। 'स्वच्छता के चार धुरंधर' पहल न केवल रायपुर को स्वच्छ बनाएगी, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। अभियान के तहत नागरिकों को जागरूक करने के लिए शहर के स्कूलों, कॉलोनियों एवं बाजारों में विशेष जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

साथ ही घर घर कचरा संग्रहण व्यवस्था को भी चार डिब्बा प्रणाली के अनुरूप सुदृढ़ किया जाएगा, ताकि पृथक्कृत कचरे का वैज्ञानिक ढंग से निष्पादन किया जा सके। नगर पालिक निगम रायपुर ने सभी नागरिकों से इस अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाने की अपील करते हुए कहा कि शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने में हर व्यक्ति की भूमिका महत्वपूर्ण है।

यदि आपके क्षेत्र में डोर टू डोर कचरा संग्रहण वाहन समय पर नहीं आता है, तो तुरंत निगम की हेल्पलाइन संख्या 1100 पर शिकायत दर्ज कराएं, ताकि त्वरित कार्रवाई की जा सके। चार डिब्बे अपनाएं - रायपुर को स्वच्छ बनाएं।

मातृशक्ति के भाग्य और भविष्य को लेकर होगा महत्वपूर्ण फैसला : सरोज पाण्डेय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. (सुश्री) सरोज पाण्डेय ने सिविल लाइन स्थित सर्किट हाउस में आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 भारत के लोकतंत्र में एक क्रांतिकारी कदम है। इस क्रांतिकारी कदम को उठाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त कर डॉ. पाण्डेय ने कहा कि बहुत-से दल इससे पहले भी यह विधेयक लेकर आए।

कभी किसी ने एक सदन में पारित किया तो दूसरे सदन में उसको रखने की हिम्मत नहीं जुटा पाए। भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. (सुश्री) पाण्डेय ने कहा कि महिलाओं को केवल वोट बैंक के तौर पर तमाम राजनीतिक दलों ने देखा, लेकिन उनका अधिकार किसी ने नहीं दिया। देश की आधी आबादी को उनका अधिकार प्रधानमंत्री श्री मोदी ने दिया है एवं सबके

विकास में महिलाओं को भी जोड़ा। डॉ. सुश्री पाण्डेय ने कहा कि लोकतंत्र में महिलाओं को विधानसभा और लोकसभा में 33 प्रतिशत का आरक्षण दिया जाएगा। महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देकर प्रधानमंत्री मोदी ने नारीत्व का जो सम्मान किया है, उसके लिए देश की सभी बहनें प्रधानमंत्री मोदी को बहुत साधुवाद देती हैं कि उन्होंने इतनी ताकत के साथ भारत की संसद में इस अधिनियम को रखा है। जब इस अधिनियम को संसद के पटल पर रखा गया तब परिस्थितियाँ सकारात्मक नहीं थीं। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने 2029 में यह बिल लागू हो, उस दिशा में कार्य किया और अभी उस पर संशोधन आ रहा है। आने वाले समय में विधानसभा और लोकसभा में संशोधन के साथ यह बिल पारित होगा 33 प्रतिशत आरक्षण के साथ। महिलाओं ने देश में बहुत बेहतर काम किया।भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. (सुश्री) पाण्डेय ने कहा कि बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान की शुरुआत प्रधानमंत्री मोदी ने की, जिसका सकारात्मक परिणाम आया है। आज महिलाएं नीति-निर्धारक भी हैं, केवल नीति के लाभार्थी नहीं हैं। महिलाएं अब नीति बनाएंगी। जब महिलाएं सदन में बड़ी संख्या में बैठेंगी तो सकारात्मक परिणाम आएगा, जो भारत की राजनीति को परिवर्तित करेगा।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम के लिए प्रधानमंत्री का आभार माना मंत्री राजवाड़े नेप्रदेश की महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने नारी शक्ति वंदन बिल के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद देते हुए कहा कि यह बिल महिलाओं के लिए एक ऐतिहासिक कदम है। यह बिल महिलाओं के जीवन में अभूतपूर्व परिवर्तन लाएगा। इस विषय के दृष्टिगत निर्धारित पार्टी कार्यक्रमों के तहत आज की प्रेस कॉन्फ्रेंस राजधानी रायपुर में संपन्न हुई। इसके साथ ही प्रदेश के 10 लोकसभा क्षेत्र में प्रेसवार्ता आयोजित की जाएगी। नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर प्रचार-प्रसार भी किया जाएगा। इसके तहत देश 15 प्रमुख स्थानों में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे जिसमें से छत्तीसगढ़ में रायपुर के पं. दीनदयाल ऑडिटोरियम में 15 अप्रैल को कार्यक्रम होगा। 11 से 16 अप्रैल तक संभाग स्तर पर नारी शक्ति सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे।

इनमें सामाजिक संगठनों महिला आयोग, अनुसूचित जाति एवं जन जाति आयोग की सक्रिय भूमिका होगी। इस कार्यक्रम में स्थानीय महिला जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति होगी। 15 और 16 अप्रैल को नारीशक्ति पदयात्रा की जाएगी। प्रत्येक पदयात्रा का प्रभारी भाजपा की महिला सांसद, विधायक एवं पदाधिकारियों को बनाया जाएगा एवं पदयात्रा का नेतृत्व प्रतिष्ठित समाजिक सेलेब्रिटी महिला से करवाया जाएगा। श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि इसके साथ ही महिल मोर्चा एवं युवा मोर्चा द्वारा बाईक रैली की जाएगी। इसके साथ ही मिस्ड कॉल नंबर 966 717 3333 एवं स्टीकर जारी किया जाएगा।

जिले के अंतिम छोर तक पहुंची शासन की योजनाओं का लाभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोण्डागांव। राज्य शासन के निर्देशानुसार विकासखण्डवार जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविरों का लगातार आयोजन किया जा रहा है, जिसके माध्यम से शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ दूरस्थ अंचलों के गांवों तक पहुंचाया जा रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार को केशकाल विकासखंड अंतर्गत जिले के सीमा पर स्थित ग्राम चुरेगांव में जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित किया गया, जहां बड़ी संख्या में ग्रामीणों को शासन की महत्वाकांक्षी योजनाओं से लाभान्वित किया गया।

शिविर में कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना ने ग्रामीणों से आत्मीय संवाद कर उनकी समस्याओं को गंभीरता के साथ सुना। इस दौरान कलेक्टर, जिला पंचायत सदस्य कपिल नाग, जनपद सदस्य घसियाराम सेठिया सहित स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन कर प्राप्त आवेदनों को जानकारी ली और निराकरण के लिये निर्देशित किया।।कलेक्टर ने कहा कि, इन शिविरों का उद्देश्य शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम छोर तक पहुंचाना है, ताकि ग्रामीणों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिये ब्लॉक या जिला मुख्यालय तक न आना पड़े। उन्होंने आश्वस्त किया कि, शिविर में प्राप्त सभी आवेदनों एवं समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण किया जाएगा। जानकारी देते हुए ग्रामीण महिलाओं को आजीविका संवर्धन के लिये ई-रिक्शा योजना का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया।

खास खबर

एसीबी ने आरटीओ के बाबू को 14 हजार रिश्वत लेते रंगे हाथों किया गिरफ्तार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में भ्रष्टाचार के खिलाफ एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) की कार्रवाई लगातार जारी है। इसी क्रम में राजधानी रायपुर में एसीबी ने बड़ी ट्रैप कार्रवाई करते हुए आरटीओ कार्यालय के एक बाबू को रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई से आरटीओ दफ्तर में हड़कंप मच गया। आरोपी डेटा एंट्री ऑपरेटर शोभा राम देवांगन ने एक फाइनेंस वाहन का नाम ट्रांसफर कराने के एवज में 15 हजार रुपये की रिश्वत की मांग की थी। शिकायत मिलने के बाद एसीबी की टीम ने योजनाबद्ध तरीके से जाल बिछाया।बताया जा रहा है कि जैसे ही आरोपी ने 14 हजार रुपये की रिश्वत ली, टीम ने उसे मौके पर ही रंगे हाथों पकड़ लिया। आरोपी चोला मंडलम फाइनेंस की गाड़ी के दस्तावेज तैयार करने के नाम पर पैसे ले रहा था। फिलहाल, एसीबी ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और उससे पूछताछ की जा रही है। मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई जारी है।

पाटन क्षेत्र में ट्रक चालक से लूट करने वाले बाइक सवार गिरफ्तार

दुर्ग। दुर्ग में ट्रक खड़ा कर नीचे उतरे चालक से लूट करने वाले दो बदमाशों को पाटन पुलिस ने घेराबंदी कर धर दबोचा है। आरोपियों ने महज 2400 रुपए के लिए वारदात को अंजाम दिया था, जिन्हें पुलिस ने घटना के अगले ही दिन सलाखों के पीछे भेज दिया। ग्रामीण एएसपी मणिशंकर चन्द्रा ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि प्रार्थी डामन सलाम (29), निवासी मोहला-मानपुर 9 अप्रैल की रात ट्रक लेकर भानुप्रतापपुर जा रहा था। रात करीब 10.27 बजे ग्राम लोहरसी और फुंडा के बीच नहर नाली मोड़ के पास उसने अपनी गाड़ी रोकी। जैसे ही वह ट्रक से नीचे उतरा, मोटरसाइकिल पर सवार दो अज्ञात युवक वहां पहुंचे और उसके शर्ट की जेब में रखे 2400 रुपए लूटकर फरार हो गए। घटना की रिपोर्ट दर्ज होते ही पाटन पुलिस ने हुलिए के आधार पर घेराबंदी की, जिसके बाद आरोपी ऋषभ आग्नेकर (26) और चंद्रकुमार निषाद (30), निवासी ग्राम गोपेमुंडी व छांटा (थाना उतई) को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने उनके पास से लूट की नगदी और वारदात में इस्तेमाल बाइक भी जब्त कर ली है।

खरोरा में ट्रक ने स्कूली बस को मारी टक्कर, ट्रक ड्राइवर मौके से फरार

रायपुर। खरोरा में तिल्दा रोड में चिकन मार्केट के सामने होली हार्ट स्कूल की बस एक बच्चे को उतारने के लिए रुकी हुई थी। इसी दौरान पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने बस को रगड़ते हुए टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि स्कूल बस का गेट पूरी तरह उखड़कर नीचे गिर गया। बस में बैठे छोटे-छोटे बच्चे इस घटना से बुरी तरह सहम गए। मौके पर मौजूद राहगीरों ने तुरंत बच्चों को संभाला और स्थिति को नियंत्रित किया। बताया जा रहा है कि यह घटना खरोरा थाने से महज 300 मीटर की दूरी पर हुई है हादसे के बाद ट्रक ड्राइवर वाहन को मौके पर ही छोड़कर फरार हो गया। स्थानीय लोगों में इस घटना को लेकर भारी नाराजगी देखी जा रही है और प्रशासन से जल्द कार्रवाई की मांग की जा रही है।

गांजा के साथ पकड़ाया एमपी का तस्कर

ओडिशा से लेकर आया था, बस्तर के रास्ते मध्य प्रदेश लेकर जा रहा था, अरेस्ट

श्रीकंचनपथ न्यूज

बस्तर। बस्तर जिले में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। शनिवार को पुलिस ने एक युवक को गांजा के साथ गिरफ्तार किया। आरोपी ओडिशा से मध्यप्रदेश गांजा ले जा रहा था और बस का इंतजार कर रहा था। मौके पर पहुंची पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। कार्रवाई नगरनार थाना क्षेत्र में की गई।

पुलिस के मुताबिक, 11 अप्रैल को मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम धनपुंजी फॉरेस्ट नाका एनएच-63 के पास एक युवक दो बैग में गांजा लेकर खड़ा है। सूचना मिलते ही नगरनार थाने की टीम मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर संदिग्ध को पकड़ लिया।

मध्यप्रदेश का रहने वाला है आरोपी युवक

पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम प्रवीण राजपूत (23) निवासी भानपुर, थाना रामपाईली, जिला बालाघाट (मध्यप्रदेश) बताया। तलाशी लेने पर उसके पास से दो पिट्ठू बैग में रखे 5 पैकेट गांजा बरामद हुआ, जिसका कुल वजन 5.265 किलोग्राम है। इसकी कीमत करीब 2 लाख 63 हजार 250 रुपए है।

2.69 लाख का सामान जब्त

पुलिस ने आरोपी के पास से एक एंड्रॉयड मोबाइल (कीमत 5 हजार रुपए) और 1730 रुपए नगद भी जब्त किए हैं। कुल जब्ती 2 लाख 69 हजार 980 रुपए की है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह गांजा मलकानगिरी (ओडिशा) से बालाघाट (मध्यप्रदेश) ले जा रहा था।

आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(ख) के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया गया और कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

अड्डेबाजों, वारंटियों-अवैध हथियार रखने वालों पर पुलिस का एक्शन

रायपुर। रायपुर में कानून व्यवस्था को बनाए रखने के लिए पुलिस ने गुरुवार शाम से देर रात तक चेकिंग अभियान चलाया। कोतवाली डिवीजन के तहत कोतवाली, गोलबाजार, मौदहापारा और गंज थाना इलाके में यह कार्रवाई की गई। जिसमें अड्डेबाजी, नशाखोरी, वारंटियों और अवैध हथियार रखने वालों पर सख्त कार्रवाई की गई।

अभियान के दौरान पुलिस ने शराब भट्ठियों के आसपास, सुनसान इलाकों और अड्डेबाजी वाले स्थानों पर विशेष निगरानी रखी। संदिग्ध व्यक्तियों की जांच कर अड्डेबाजी और नशाखोरी में लिप्त कुल 8 लोगों पर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई। सभी को विशेष कार्यपालिक मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया गया, जहां से 7 आरोपियों को जेल वारंट जारी कर केंद्रीय जेल भेज दिया गया। इसके अलावा मौदहापारा और गंज थाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए 2 स्थायी वारंटियों को गिरफ्तार किया। वहीं, डिवीजन में 8 जमानती वारंट और 7 गिरफ्तारी वारंट भी तामील किए गए, जिससे लंबे समय से फरार आरोपियों पर शिकंजा कसा गया।

गंज पुलिस को तेलघानी नाका चौक के पास चेकिंग के दौरान एक संदिग्ध युवक मिला। तलाशी लेने पर उसके पास से अवैध धारदार चाकू बरामद हुआ। आरोपी राज नायक उर्फ माया, निवासी उरला, के खिलाफ आर्म्स एक्ट की धारा 25 के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया गया है। अभियान के दौरान ई-रिक्शा चालकों और अन्य संदिग्धों की भी सघन जांच की गई। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि शहर में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए ऐसे अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे। पुलिस का कहना है कि असामाजिक तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर आम जनता को सुरक्षित माहौल उपलब्ध कराना प्राथमिकता है।

अमलेश्वर में चोरी का मामला : फरार आरोपी पकड़ाया लाखों के जेवर व नगदी बरामद

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। दुर्ग जिले के अमलेश्वर थाने में तीन माह पूर्व हुई चोरी के मामले में पुलिस ने फरार आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से पुलिस ने सोने-चांदी के जेवरात एवं नगदी सहित कुल 6,55,277 लाख रुपये की संपत्ति बरामद की गई है। इस मामले में पहले चार आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। इस मामले में पुलिस ने कुल 14,77,757 रुपये की संपत्ति जब्त की है।

बता दें अमलेश्वर थाने में प्रार्थी द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि 25 से 29 जनवरी 2026 के मध्य अज्ञात आरोपी द्वारा उसके निवास का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश कर आलमारी में रखे सोने-चांदी के जेवरात एवं नगदी चोरी कर ली गई। रिपोर्ट पर अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। पूर्व में प्रकरण में

आरोपीगण खिलेष दास मानिकपुरी, भुनेष्वर उर्फ नानू यादव एवं तुलेष्वर उर्फ टिल्लू सोनकर को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से सोना-चांदी, वाहन आदि कुल कीमती 8,22,480 रुपये जप्त कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया था।

विवेचना के दौरान पुलिस रिमांड लेकर पूछताछ करने पर आरोपी तुलेश्वर सोनकर द्वारा चोरी की संपत्ति अपने जीजा गौरीशंकर खुटे को देना बताया गया। तत्पश्चात आरोपी गौरीशंकर खुटे को हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर उसके कब्जे एवं निशानदेही से सोने-चांदी के जेवरात एवं नगदी रकम 2,18,000 बरामद की गई। उक्त कार्यवाही में थाना अमलेश्वर एवं एसीसीयू टीम के अधिकारी व कर्मचारियों की सराहनीय भूमिका रही, जिनके द्वारा त्वरित एवं प्रभावी विवेचना कर आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी गई संपत्ति बरामद की गई।

मासूम से रेप का आरोपी मुलाहिजा के दौरान गश खाकर गिरा, मुंह से निकलने लगा खून

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। उतई थाना क्षेत्र में पांच साल की मासूम से दुष्कर्म करने के बाद उसकी हत्या का प्रयास करने वाला आरोपी सुपेला शास्त्री अस्पताल में मुलाहिजा के दौरान गश खाकर गिर गया। इस मामले में आरोपी आरोपी धनेश्वर साहू उर्फ जनता साहू की लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल सुपेला में तबियत बिगड़ गई। बताया जा रहा है कि मुलाहिजा के बाद आरोपी अस्पताल के वॉशरुम की ओर जा रहा था।

इसी दौरान अचानक चक्कर खाकर नीचे गिर पड़ा और तड़पने लगा। यहां तक की उसके मुंह से खून निकलने से लगा। साथ में पहुंचे पुलिस कर्मियों के होश उड़ गए। बताया जा रहा है कि आरोपी को मिर्गी का दौरा पड़ा।

बता दें उतई थाना क्षेत्र में

शुक्रवार को 5 साल की मासूम बच्ची को बहला फुसलाकर कर अपने घर ले जाने के बाद पड़ोस में रहने वाले धनेश्वर साहू उर्फ जनता साहू ने उसके साथ अनाचार किया। इसके बाद बच्ची जब बेहोश हो गई तो उसके मुंह को तकिया कव्हर से बांधकर बोरी में बंद किया और खंडहरनुमा जगह पर झाड़ियों के बीच फेंक दिया। दिन के 11 बजे से गायब बच्ची की तलाश में परिजन और ग्रामीण जुटे रहे। आखिरकार देर रात बच्ची मिल गई। घंटों तक बोरी में बंद रहने के बावजूद बच्ची जीवित मिली। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जांच में बच्ची के साथ अनाचार की पुष्टि हो गई है। रात में ही पुलिस ने आरोपी धनेश्वर साहू उर्फ जनता साहू को गिरफ्तार कर लिया था।

एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट में पूछताछ और दस्तावेजी कार्रवाई के बाद शनिवार को दोपहर देढ़ बजे के आसपास उसे सुपेला के लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल में लाया गया। यहां मुलाहिजा के बाद उसे दुर्ग ले जाकर न्यायालय में पेश किया जाना था। मुलाहिजा के बाद पुलिस जवान के साथ आरोपी धनेश्वर साहू वॉशरूम जा रहा था। तभी अचानक चक्कर खाकर वह गिर पड़ा।

उसके मुंह से झाग के साथ खून बहने लगा। आरोपी की हालत देखकर अस्पताल परिसर में हड़कंप मच गई। लक्षण के आधार पर आरोपी को मिर्गी का दौरा पड़ने की संभावना जताई गई। एक पुलिस जवान ने अपना जुता सुंघाकर उसे होश में लाने की कोशिश भी की। फिर तत्काल उसे अस्पताल में भर्ती कर इलाज शुरू किया गया।

दुर्ग के उरला से पकड़ाए दो सटोरिए मोबाइल से खिला रहे थे सट्टा नगदी व 7 मोबाइल बरामद

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। दुर्ग के उरला क्षेत्र से मोहन नगर पुलिस ने दो सटोरियों को गिरफ्तार किया है। दोनों मोबाइल के माध्यम से सट्टा का कारोबार कर रहे थे। इनके पास से पुलिस ने 7 मोबाइल फोन बरामद किया है। साथ ही इनके पास से पुलिस ने 77020 रुपए नगदी भी बरामद की है। आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम एवं बीएनएस के तहत वैधानिक कार्रवाई की है।

दरअसल पुलिस को थाना मोहन नगर क्षेत्रांतर्गत श्रीनगर उरला में मोबाइल के माध्यम से

सट्टा खिलाए जाने की सूचना प्राप्त हुई। सूचना पर तत्काल कार्रवाई करते हुए थाना मोहन नगर पुलिस द्वारा विशेष टीम गठित कर घेराबंदी की गई। मौके पर दो व्यक्तियों को संदिग्ध अवस्था में पकड़ा गया, जिनकी तलाशी लेने पर मोबाइल के माध्यम से रुपए-पैसों का दांव लगाकर सट्टा खिलाते पाए गए। आरोपियों के कब्जे से नगदी रकम एवं मोबाइल फोन बरामद किया गया।

पकड़े गए आरोपियों में वतन सिंह टण्डन, उम्र 23 वर्ष, निवासी बजरंग पारा उरला, दुर्ग व सुरेन्द्र उर्फ मोनू सुलाखे, उम्र 30 वर्ष, निवासी ग्रीन चौक, दुर्ग शामिल हैं। मामले में धारा 7, 8 छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम एवं धारा 112(2) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। उक्त कार्यवाही में थाना मोहन नगर पुलिस टीम की सराहनीय भूमिका रही। दुर्ग पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि जुआ-सट्टा जैसी अवैध गतिविधियों से दूर रहें एवं ऐसी किसी भी गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें। कानून का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

एम्स डॉक्टर बनकर करोड़ों की ठगी की साजिश नाकाम, अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राजधानी रायपुर में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अंतरराज्यीय बैंक ठगी गिरोह का पर्दाफाश किया है। इस मामले में एक शातिर आरोपी को गिरफ्तार किया गया है, जो खुद को एम्स का डॉक्टर बताकर लोगों और बैंक अधिकारियों को ठगने की साजिश रच रहा था।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान ओडिशा के कटक निवासी 32 वर्षीय श्रीधर राउत के रूप में हुई है। पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि आरोपी पिछले करीब सात महीनों से रायपुर के अविनाश आशियाना कॉलोनी में फर्जी पहचान के साथ रह रहा था और बड़े स्तर पर ठगी की तैयारी कर रहा था। आरोपी खुद

को एम्स का डॉक्टर बताकर बैंकों से करोड़ों रुपये का लोन लेने की योजना बना रहा था। उसकी योजना में जमीन खरीदने और लग्जरी गाडियों के लिए फाइनेंस लेना शामिल था, जिसके बाद वह रकम लेकर फरार होने की फिराक में था। जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी पहले भी कई ठगी के मामलों में शामिल रहा है।

वह मेडिकल छात्रों को वीजा दिलाने का झांसा देकर उनके पासपोर्ट हड़पने जैसे अपराधों में भी लिप्त रहा है। पहचान छिपाने के लिए वह अलग-अलग नामों—आदित्य मिश्रा, आदित्य अग्निहोत्री और डॉ. सिद्धार्थ—का इस्तेमाल करता था। पुलिस ने आरोपी के पास से बड़ी संख्या में फर्जी दस्तावेज बरामद किए हैं, जिनमें आधार कार्ड, पैन कार्ड, फर्जी सिम, अलग-अलग नामों से बैंक पासबुक और एटीएम कार्ड, नकली पासपोर्ट, शैक्षणि प्रमाण पत्र और विभिन्न संस्थानों के फर्जी आईडी कार्ड शामिल हैं। खास बात यह रही कि पुलिस ने किसी शिकायत का इंतजार किए बिना सक्रियता दिखाते हुए इस गिरोह की साजिश को पहले ही नाकाम कर दिया, जिससे करोड़ों रुपये की संभावित ठगी टल गई। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है और इस गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की तलाश जारी है।

लूटपाट करने वाले लुटेरे गिरफ्तार: मामा-भांजियों को बनाया था निशाना

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राजधानी में लूटपाट और मारपीट की घटना को अंजाम देने वाले आरोपियों को पुलिस ने पकड़ा लिया है। इस मामले में 2 आरोपियों और 3 नाबालिगों सहित कुल 5 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

आरोपियों ने सेजबहार के पास दतरेंगा निवासी परिवार को निशाना बनाकर वारदात को अंजाम दिया था। गिरफ्तार आरोपियों के नाम चेतन नामदेव और नितिन ध्रुव बताए गए हैं। यह मुजगहन थाना क्षेत्र का है। पुलिस के अनुसार 8 अप्रैल की रात करीब 1:30 बजे

भूषण साहू अपनी दो भांजियों और एक साथी के साथ मोटरसाइकिल से भाठागांव से मुजगहन की ओर जा रहे थे। इसी दौरान सेजबहार स्थित शुभम ऑटो पार्ट्स हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी के पास दो बाइक पर सवार 5 बदमाशों ने रास्ता रोक लिया। आरोपियों ने पहले मोटरसाइकिल गिराई, चाबी निकाली और डंडे से भूषण और उसके साथी पर हमला कर दिया। चाकू दिखाकर जान से मारने की धमकी भी दी।

घटना के दौरान बीच-बचाव करने आईं दोनों भांजियों के साथ भी मारपीट की गई और उन्हें खींचने की कोशिश की गई, जिससे उनके कपड़े फट गए। आरोपी गले की चेन, ताबीज, दो मोबाइल फोन और मोटरसाइकिल लूटकर फरार हो गए थे। पीड़ित की शिकायत पर थाना मुजगहन में धारा 310(2), 74 बीएनएस और आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस उपायुक्त (पश्चिम जोन) के निर्देश पर एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट, मुजगहन थाना और न्यू राजेंद्र नगर थाना की संयुक्त टीम गठित की गई। टीम ने सीसीटीवी फुटेज, मुखबिर सूचना और तकनीकी विश्लेषण के आधार पर आरोपियों की पहचान की। जांच के दौरान मुख्य आरोपी चेतन नामदेव को पकड़ा गया, जिसने अपने साथी नितिन ध्रुव और तीन नाबालिगों के साथ मिलकर वारदात को अंजाम देना कबूल किया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी चेतन नामदेव और एक नाबालिग पहले भी चोरी के मामलों में जेल जा चुके हैं। सभी आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर उन्हें न्यायिक प्रक्रिया में भेजा गया है। पुलिस का कहना है कि शहर में अपराधियों के खिलाफ सख्त अभियान आगे भी जारी रहेगा।

बिलासपुर में खाद कालाबाजारी पर कार्रवाई, दो दुकानें सील

श्रीकंचनपथ समाचार

बिलासपुर। बिलासपुर जिले में खाद की कमी के बीच कालाबाजारी की शिकायतें सामने आई हैं। किसानों को फसलों के लिए पर्याप्त खाद नहीं मिल पा रहा है, जिससे वे परेशान हैं। प्रशासन की टीम ने कालाबाजारी रोकने के लिए दुकानों की जांच की।

जांच के दौरान गनियारी और तखतपुर में खाद वितरण में अनियमितताएं पाई गईं। इसके बाद कृषि विभाग की उड़नदस्ता टीम ने शुक्रवार को कार्रवाई करते हुए इन दोनों दुकानों को सील कर दिया। साथ ही, इन दुकानों पर खाद बिक्री 21 दिनों के लिए प्रतिबंधित कर दी गई है। खरीफ सीजन के लिए कुल 68,950 मीट्रिक टन खाद की आवश्यकता है, लेकिन सहकारी समितियों के पास अभी केवल 14,406 मीट्रिक टन खाद ही उपलब्ध है। जिले में खाद का स्टॉक वर्तमान में 30 प्रतिशत से भी कम है। कृषि विभाग की उड़नदस्ता टीम ने मेसर्स किसान सेवा केंद्र तखतपुर और मेसर्स अमन कृषि केंद्र गनियारी का औचक निरीक्षण किया, जहां खाद वितरण में गंभीर अनियमितताएं सामने आईं। उप संचालक कृषि पीडी हथेश्वर ने बताया कि जांच के दौरान किसान सेवा केंद्र तखतपुर में मशीन स्टॉक में यूरिया 750 बोरी दर्ज थी,जबकि भौतिक रूप से 550 बोरी ही पाई गई।

अधिकारिक जानकारी के अनुसार दोनों प्रतिष्ठानों में उर्वरक भंडारण एवं वितरण से संबंधित रजिस्टर भी संधारित नहीं पाए गए, जो कि उर्वरक (नियंत्रण) आदेश 1985 का उल्लंघन है। प्रथम दृष्टया दोषी पाए जाने पर दोनों दुकानों को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए 21 दिनों के लिए खाद विक्रय पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।

कार्रवाई के दौरान दिव्या गौतम सहायक संचालक कृषि, आर.एल. पैकरा प्रभारी, कृषि वि.अ. तखतपुर, खुशबू साहू, उषा ध्रुव उर्वरक निरीक्षक,एवं नरेश चंदेल ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी उपस्थिति थे।

बाइक चोरी करने वाले 2 नाबालिग पकड़ाए, वाहन बरामद

कोरबा। सजग कोरबा- सतर्क कोरबा अभियान के तहत थाना उरगा पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए 2 विधि से संघर्षरत बालकों को पकड़ने में सफलता हासिल की है। पुलिस के अनुसार प्रार्थी ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसकी होंडा शाइन मोटरसाइकिल (सीजी 12 बीएफ9935) वाहन स्टैंड से चोरी हो गई थी। मामले में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की गई। विवेचना के दौरान मुखबिर सूचना के आधार पर संदिग्धों को पकड़कर पूछताछ की गई, जिसमें दोनों बालकों ने चोरी करना स्वीकार कर लिया। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी गई मोटरसाइकिल बरामद कर ली है। पुलिस ने विधिसम्मत कार्रवाई करते हुए दोनों को न्यायालय में प्रस्तुत किया है।

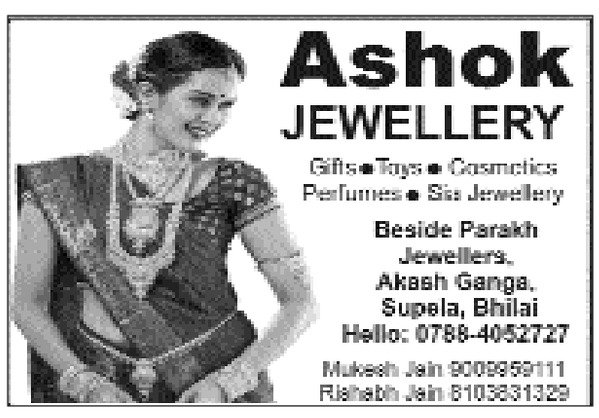

प्रमुख खबरें

बहुप्रतीक्षित सुतियापाट परियोजना का विधायक भावना ने किया भूमिपूजन

कवर्धा। पंडरिया विधायक भावना बोहरा के प्रयासों से क्षेत्र के किसानों को एक और बड़ी सौगात मिली है। सुतियापाट जलाशय परियोजना के आज भूमिपूजन से विधानसभा क्षेत्र के 17 गाँव के किसानों की वर्षों पुरानी मांग पूरी हुई। अब उनके खेतों तक सिंचाई हेतु पर्याप्त जल आपूर्ति संभव हो जाएगी। 39.39 करोड़ की लागत से सुतियापाट जलाशय मध्यम सिंचाई परियोजना के बायीं तट मुख्य नहर का विस्तारीकरण तथा माइनर नहरों के निर्माण कार्य से पंडरिया विधानसभा के 17 गाँव के किसानों और 2916 हेक्टेयर कृषि भूमि में सिंचाई हेतु पर्याप्त जल आपूर्ति की सुविधा उपलब्ध होगी।

बाल विवाह मुक्त' पंचायत घोषणा पूर्व 7 दिवस में मांगी गई आपत्तियां

बीजापुर। राज्य सरकार द्वारा संचालित बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के तहत जिला बीजापुर की 24 ग्राम पंचायतों को बाल विवाह मुक्त घोषित किया जाना है। यह अभियान मुख्यमंत्री द्वारा 10 मार्च 2024 को शुरू किया गया था, जिसका उद्देश्य वर्ष 2028-29 तक पूरे राज्य को बाल विवाह मुक्त बनाना है। शासन द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 में जिले की 40 प्रतिशत ग्राम पंचायतों एवं नगरीय निकायों को बाल विवाह मुक्त घोषित करने का लक्ष्य रखा गया है। इसी दिशा में चयनित 24 ग्राम पंचायतों ने पिछले दो वर्षों में बाल विवाह की कोई घटना न होने की पुष्टि की है। यदि किसी को इन पंचायतों में बाल विवाह से संबंधित कोई जानकारी या आपत्ति हो, तो वह विज्ञप्ति जारी होने के 7 दिनों के भीतर लिखित रूप में अपने दस्तावेजों सहित आवेदन प्रस्तुत कर सकता है। दावा-आपत्ति जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग, कलेक्टर कार्यालय, प्रथम तल, कक्ष क्रमांक डी-1, बीजापुर में कार्यालयीन समय में जमा की जा सकती है। घोषित ग्राम पंचायतें इस प्रकार हैं - बोरजे, संतश्पुर, संकनपल्ली, मुरकीनार, लिंगागिरी, उसूर, गलगम, पुसबाका, हीरापुर, तर्रेम, चेरपल्ली, भद्रकाली, कोत्तूर, सकनापल्ली, पेठा, फरेसगढ़, सोमनपल्ली, जैवारम, माटवाड़ा, कोंड्रोजी, टिंडोडी, पातरपारा, पिटेपाल और गदामली।

अम्बेडकर अस्पताल में हुई रिकार्ड 10.3 किलो वजन के ट्यूमर की सर्जरी, देश के चिकित्सा इतिहास में हुआ दर्ज

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय में एक अत्यंत जटिल, संवेदनशील, जोखिमपूर्ण और चुनौतीपूर्ण शल्य चिकित्सा को सफलतापूर्वक संपन्न किया गया। अस्पताल अधीक्षक और लेप्रोस्कोपिक एवं जनरल सर्जन डॉ. संतोष सोनकर एवं सर्जरी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. मंजू सिंह के नेतृत्व में विशेषज्ञों की टीम ने 10.30 किलोग्राम वजनी विशाल ट्यूमर (गांठ/गठान) को सफलतापूर्वक निकालकर इतिहास रच दिया।

भारत में अब तक लगभग 8 किलोग्राम तक के ट्यूमर के सफल निष्कासन का उल्लेख मिलता है। विश्व स्तर पर 22 किलोग्राम तक के ट्यूमर के ऑपरेशन का अभिलेख उपलब्ध है। ऐसे में डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय में 10.30 किलोग्राम वजनी विशाल ट्यूमर का सफल निष्कासन एक उल्लेखनीय, असाधारण और गौरवपूर्ण उपलब्धि है। यह सफलता छत्तीसगढ़ के लिए गर्व, सम्मान और प्रेरणा का विषय है।

यह केवल एक सफल ऑपरेशन नहीं है, बल्कि यह छत्तीसगढ़ के शासकीय चिकित्सा तंत्र, चिकित्सकीय विशेषज्ञता, मानवीय संवेदना और सेवा-समर्पण का जीवंत उदाहरण है।

जब मरीज डॉ. भीमराव अम्बेडकर चिकित्सालय पहुँचा, तब विभागीय टीम ने प्राथमिकता के साथ मरीज का मूल्यांकन और जांचें कीं। लैब परीक्षण, प्री-ऑपरेटिव असेसमेंट और बहु-विभागीय प्लान तैयार किया गया।

इस जटिल सर्जरी को विभागाध्यक्ष डॉ. मंजू सिंह एवं मेडिकल सुपरिटेंडेंट एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन डॉ. संतोष सोनकर के कुशल नेतृत्व एवं निगरानी में पूरा किया गया। सर्जरी में सीनियर सर्जन डॉ. राजेंद्र रात्रे, सीनियर सर्जन डॉ. मयंक भूषण मिश्रा एवं सीनियर रेजिडेंट डॉ. प्रेक्षा जैन ने प्रमुख भूमिका निभाई। निष्चेतना का दायित्व डॉ. जया लालवानी एवं डॉ. प्रतिभा जैन शाह ने निभाया। पोस्ट-ऑपरेटिव प्रबंधन के बाद मरीज की रिकवरी बेहतर रही और अंततः उसे स्वस्थ अवस्था में डिस्चार्ज कर घर भेज दिया गया।

दर्द और पीड़ा के 15 साल

मरीज की पीठ पर यह विशाल ट्यूमर पिछले लगभग 15 वर्षों से था जो बढ़ रहा था। धीरे-धीरे स्थिति ऐसी हो गई कि मरीज को चलने-फिरने, बैठने, उठने, सोने जैसे सामान्य कार्यों तक में कठिनाई होने लगी। मरीज को मानसिक पीड़ा, सामाजिक असहजता और आत्मविश्वास में कमी जैसी समस्याओं का भी सामना करना पड़ रहा था। एक व्यक्ति का जीवन, जो सामान्य होना चाहिए था, वह वर्षों से दर्द और संघर्ष में बंधा हुआ था।

हज यात्रा आत्मिक शुद्धि, समर्पण और अनुशासन का प्रतीक : संस्कृति मंत्री

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी द्वारा अंबिकापुर में आयोजित एक गरिमामय कार्यक्रम में प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने हज यात्रा पर जा रहे सभी जायरीनों को शुभकामनाएँ देते हुए उनके सफल, सुरक्षित और मंगलमय सफर की कामना की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि हज यात्रा इस्लाम धर्म के अनुयायियों के लिए अत्यंत पवित्र और महत्वपूर्ण होती है। यह केवल एक धार्मिक यात्रा नहीं, बल्कि आत्मिक शुद्धि, समर्पण और अनुशासन का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सभी धर्मों के प्रति समान सम्मान और सहयोग की भावना के साथ कार्य कर रही है।

उन्होंने हज यात्रियों से अपील की कि वे इस पवित्र यात्रा के दौरान देश और प्रदेश की खुशहाली, शांति एवं समृद्धि के लिए भी दुआ करें। हज कमेटी के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने में समिति की भूमिका सराहनीय है। इस अवसर पर विधायक लुंड्रा प्रबोध मिंज, हज कमेटी के अध्यक्ष मिर्जा एजाज बेग एवं सदस्य मौजूद रहे।

स्वाभिमान : छत्तीसगढ़ में चल रहा महिला सशक्तिकरण का स्वर्णिम दौर

डॉ. दानेश्वरी संभाकर

रायपुर। छत्तीसगढ़ में वर्ष 2026 को महतारी गौरव वर्ष के रूप में मनाते हुए महिलाओं के सम्मान, स्वाभिमान और आर्थिक सशक्तिकरण को नई दिशा दी जा रही है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार की योजनाएं अब जमीनी स्तर पर प्रभावी परिणाम दे रही हैं, जिसका स्पष्ट प्रतिबिंब आंकड़ों में दिखाई देता है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं महिला तथा बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के नेतृत्व में इस दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धियां दर्ज की गई हैं।

राज्य सरकार ने बजट में महिलाओं और बच्चों के पोषण एवं स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आंगनबाड़ी संचालन के लिए 800 करोड़ रुपए, पूरक पोषण आहार के लिए 650 करोड़ रुपए तथा कुपोषण मुक्ति व पोषण अभियान के लिए 235 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है।

राज्य में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में महतारी वंदन योजना एक मील का पत्थर साबित हुई है। 10 मार्च 2024 को प्रारंभ इस योजना के तहत लगभग 70 लाख महिलाओं को प्रतिमाह 1 हजार रुपए की सहायता मिल रही है। अब तक 16881 करोड़ रुपए से अधिक लाभार्थियों के खातों में अंतरित की जा चुकी है। योजना के लिए 8200 करोड़ रुपए का बजट प्रावधान किया गया है। प्रस्तावित रानी दुर्गावती योजना के तहत 18 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर 1 लाख 50 हजार रुपए की सहायता दी जाएगी, जिसके लिए 15 करोड़ रुपए का प्रावधान है।

राज्य में महिलाओं के लिए आधारभूत सुविधाओं का विस्तार भी तेजी से हो रहा है। महतारी सदनों के निर्माण के लिए 75 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है, जिसके अंतर्गत अब तक 368 सदनों को स्वीकृति दी जा चुकी है और 137 का निर्माण पूर्ण हो चुका है। साथ ही 500 नए आंगनबाड़ी केंद्रों के निर्माण के लिए 42 करोड़ रुपए निर्धारित किए गए हैं।

प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना के अंतर्गत 3.73 लाख से अधिक पंजीयन दर्ज किए गए हैं तथा 235 करोड़ रुपए से अधिक की राशि का भुगतान किया जा चुका है। वर्ष 2023-24 में जहां 1 लाख 75 हजार से अधिक पंजीकरण हुए, वहीं 2024-25 में यह संख्या बढ़कर 2 लाख 19 हजार से अधिक हो गई। वर्ष 2025-26 में फरवरी तक 2.4 लाख से अधिक पंजीयन हो चुके हैं, जो लक्ष्य का 93 प्रतिशत से अधिक है।

पोषण अभियान में भी राज्य ने उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। पोषण माह 2024 के दौरान प्रति केंद्र प्रदर्शन में प्रदेश को प्रथम स्थान तथा कुल गतिविधियों में तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। वहीं न्योता भोज जैसे नवाचारों के तहत 9 हजार 700 से अधिक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनसे 1 लाख 83 हजार से अधिक बच्चों को लाभ मिला।

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने बताया कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए स्व-सहायता समूहों को रेडी-टू-ईट जैसे कार्यों से जोड़ा जा रहा है तथा लखपति दीदी योजना के माध्यम से उन्हें व्यवसायिक अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। उज्ज्वला योजना के तहत लगभग 38 लाख महिलाएं लाभान्वित हो रही हैं, जिससे उन्हें स्वच्छ ईंधन की सुविधा मिली है। वहीं सखी वन स्टॉप सेंटरों की संख्या 27 से बढ़ाकर 34 कर दी गई है, जहां 14 हजार 300 से अधिक प्रकरणों में से 8 हजार 900 से अधिक का निराकरण किया जा चुका है।

स्पष्ट है कि 'महतारी गौरव वर्ष' केवल एक प्रतीकात्मक पहल नहीं, बल्कि ठोस परिणाम देने वाला अभियान है। विष्णु देव साय और लक्ष्मी राजवाड़े के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में महिलाएं अब विकास की धुरी बनकर उभर रही हैं और राज्य को नई दिशा दे रही हैं।

धुआं उड़ाने वालों पर पुलिस का वार, 30 केस दर्ज, जुर्माने से मचा हड़कंप

रायगढ़। रायगढ़ में अब सिगरेट और गुटखा खुलेआम बेचने और सार्वजनिक जगहों पर धूम्रपान करने वालों के लिए मुश्किलें बढ़ गई हैं। 11 अप्रैल 2026 को कोटपा एक्ट के तहत पुलिस ने ऐसा सख्त अभियान चलाया कि चौक-चौराहों से लेकर पान ठेलों, चाय दुकानों, होटल-ढाबों और फुटपाथ तक हर जगह एक साथ कार्रवाई कर दी गई और देखते ही देखते 30 मामलों में चालानी कार्रवाई करते हुए जुर्माना वसूल लिया गया, यह पूरी कार्रवाई पुलिस अधीक्षक शशिमोहन सिंह के निर्देशन में हुई, जिसमें अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनिल सोनी के मार्गदर्शन और एसडीओपी खरसिया प्रभात पटेल के नेतृत्व में जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों की पुलिस टीमें एक साथ मैदान में उतरीं और ठोस कार्रवाई की।

मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से किया पांडुलिपि संरक्षण में आगे आने का आह्वान, यही हमारी पहचान, हमारा गौरव

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रदेशवासियों से छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और प्राचीन ज्ञान परंपरा के संरक्षण के लिए सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि हमारी पांडुलिपियाँ हमारी सभ्यता, संस्कृति और ज्ञान-वैभव का जीवंत प्रमाण हैं, जिन्हें सुरक्षित रखकर भावी पीढ़ियों तक पहुँचाना हम सबकी साझा जिम्मेदारी है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा प्रारंभ किया गया 'ज्ञानभारतम राष्ट्रीय पांडुलिपि सर्वेक्षण अभियान' इस दिशा में एक दूरदर्शी और महत्वपूर्ण पहल है। यह अभियान देशभर में उपलब्ध प्राचीन पांडुलिपियों का सर्वेक्षण कर उन्हें सुरक्षित, संरक्षित और डिजिटल माध्यम से सुलभ बनाने का कार्य कर रहा है।

उन्होंने प्रदेश के नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि यदि उनके पास कोई प्राचीन पांडुलिपि, हस्तलिखित ग्रंथ या ताड़पत्र सुरक्षित हैं, तो वे ज्ञानभारतम मोबाइल एप पर उनका विवरण दर्ज कर इस राष्ट्रीय अभियान का हिस्सा बनें। मुख्यमंत्री ने कहा कि नागरिकों का यह छोटा-सा प्रयास हमारी सांस्कृतिक पहचान को संरक्षित करने में एक बड़ा योगदान सिद्ध होगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने विश्वास व्यक्त किया कि जनभागीदारी के माध्यम से छत्तीसगढ़ की समृद्ध ज्ञान परंपरा को नई पहचान मिलेगी और यह धरोहर आने वाली पीढ़ियों तक सुरक्षित रूप से पहुँच सकेगी। उन्होंने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि वे अपनी जड़ों को सहेजते हुए इस सांस्कृतिक अभियान में सहभागी बनें और ज्ञान की इस अमूल्य धरोहर को गर्व के साथ आगे बढ़ाएँ।

उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार द्वारा 'ज्ञानभारतम राष्ट्रीय पांडुलिपि सर्वेक्षण अभियान' एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में प्रारंभ किया गया है, जिसका उद्देश्य प्रदेश में उपलब्ध पांडुलिपियों का सर्वेक्षण कर उन्हें सुरक्षित, संरक्षित एवं डिजिटल माध्यम से भावी पीढ़ियों तक पहुँचाना है। मार्च 2026 से प्रारंभ इस राष्ट्रव्यापी अभियान में छत्तीसगढ़ राज्य की भी नियमित सहभागिता हो रही है।

छत्तीसगढ़ के 33 जिलों में से 26 जिलों में जिला स्तरीय समिति का गठन और नोडल अधिकारी की नियुक्ति हो गई है, शेष 07 जिलों में गठन / नियुक्ति की कार्यवाही की जा रही है। जिलों में जिला स्तरीय समिति की बैठक आयोजित कर पाण्डुलिपि संग्रह कर्त्ता व्यक्तियों / संस्थाओं को चिन्हित किया जा रहा है, तथा ग्राम/क्षेत्रवार सर्वेक्षकों की नियुक्ति की जा रही है। प्रशिक्षकों को नोडल विभाग द्वारा ज्ञानभारतम के क्षेत्रीय संयोजकों के साथ मिलकर जिला स्तर पर प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

जनगणना 2027- प्रथम चरण में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना

रायपुर। जनगणना 2027 के अंतर्गत प्रथम चरण मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य छत्तीसगढ़ राज्य में 01 मई से 30 मई 2026 तक किया जाएगा। डिजिटल इंडिया के अंतर्गत इस बार आम जनता की सुविधा के लिएस्व-गणना का विकल्प भी उपलब्ध कराया गया है। इच्छुक नागरिक 16 अप्रैल 2026 से 30 अप्रैल 2026 के मध्य निर्धारित ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से स्वयं अपने परिवार एवं मकान से संबंधित जानकारी दर्ज कर सकते हैं। स्व-गणना करने वाले परिवारों को एक स्व-गणना आईडी प्रदान की जाएगी, जिसे सुरक्षित रखना आवश्यक होगा तथा प्रगणक के आने पर उसे देना होगा। प्रगणक निर्धारित अवधि के दौरान प्रत्येक घर पर जाकर जानकारी एकत्रित करेंगे। प्रगणक अधिकृत पहचान पत्र के साथ जाएंगे, जिसकी पुष्टि नागरिकों द्वारा की जा सकती है।

पारदर्शिता के साथ खर्च करें महिला व बाल विकास का एक-एक पैसा : लक्ष्मी

- महिला एवं बाल विकास मंत्री ने की वित्तीय वर्ष 2025-26 के व्यय विवरण एवं योजनाओं की समीक्षा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि विभाग को प्राप्त हर एक रुपया महिलाओं और बच्चों के कल्याण के लिए है। इसलिए व्यय में पूरी पारदर्शिता बरती जाए और योजनाओं का लाभ शत-प्रतिशत पात्र हितग्राहियों तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मंत्री श्रीमती राजवाड़े मंत्रालय महानदी भवन में वित्तीय वर्ष 2025-26 के वार्षिक व्यय विवरण एवं योजनाओं की प्रगति की समीक्षा कर रही थीं।

बैठक में मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने विभाग को आवंटित कुल बजट में अब तक 89 प्रतिशत राशि व्यय होने पर संतोष व्यक्त किया और निर्देश दिए कि सभी जिलों में स्वीकृत राशि का समयबद्ध उपयोग सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि सभी पात्र महिलाओं को समय पर किस्त का भुगतान सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने सक्षम आंगनबाड़ी योजना के तहत आंगनबाड़ी केन्द्रों के उन्नयन कार्यों की प्रगति की जानकारी ली और सभी कार्यों को गुणवत्ता के साथ वर्ष 2026 तक पूर्ण करने के निर्देश दिए।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने पोषण अभियान की समीक्षा के दौरान गंभीर कुपोषित बच्चों की संख्या में कमी लाने हेतु 'पोषण ट्रैकर' में रियल टाइम डेटा एंट्री सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के बेहतर क्रियान्वयन के लिए राज्य के सभी जिला अस्पतालों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और स्वास्थ्य संस्थानों में योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए, ताकि प्रत्येक पात्र गर्भवती महिला को इसका लाभ मिल सके। उन्होंने बताया कि इस योजना के सफल क्रियान्वयन में छत्तीसगढ़ देश में प्रथम स्थान पर रहा है और इसके लिए विभागीय अधिकारियों की सराहना की।

श्रीमती राजवाड़े ने सभी जिला कार्यक्रम अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक 15 दिन में व्यय की समीक्षा जिला स्तर पर की जाए और मासिक रिपोर्ट राज्य स्तर पर भेजी जाए। राज्य स्तर पर त्रैमासिक समीक्षा की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि बजट का प्रावधानित हिस्सा सीधे लाभार्थी मूलक योजनाओं पर खर्च होना चाहिए।उन्होंने फील्ड विजिट बढ़ाने पर जोर देते हुए कहा कि केवल कागजों पर नहीं, बल्कि जमीनी हकीकत का निरीक्षण किया जाए। महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा निर्मित उत्पादों के विपणन को बढ़ावा देने के लिए विशेष कैंप लगाने के भी निर्देश दिए। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने भारत सरकार से वित्त पोषित योजनाओं के लिए महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, नई दिल्ली से समय पर समन्वय स्थापित कर अनुदान प्राप्त करने की प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए।

बैठक में महिला एवं बाल विकास विभाग की संचालक डॉ रेणुका श्रीवास्तव, संयुक्त संचालक, सभी उपसंचालक, सहायक संचालक एवं अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

कोतरा रोड के दूध डेयरी क्षेत्र में बनेगा अत्याधुनिक ऑक्सीजोन, विकसित हो रहा बहुउद्देश्यीय सुविधा केंद्र

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। रायगढ़ नगर निगम क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 1 स्थित राजीव नगर (कोतरा रोड दुग्ध डेयरी क्षेत्र) को अब एक आधुनिक एवं आकर्षक ऑक्सीजोन के रूप में विकसित किया जाएगा। हरियाली, स्वास्थ्य और मनोरंजन से जुड़ी विविध सुविधाएं विकसित की जाएंगी, जिससे नागरिकों को स्वच्छ वातावरण के साथ बेहतर जीवनशैली का अनुभव मिल सकेगा।

इस परियोजना के लिए वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक ओपी चौधरी के विशेष प्रयासों से राज्य शासन द्वारा 7.86 करोड़ रुपए की स्वीकृति प्रदान की गई है। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने आज अधिकारियों के साथ प्रस्तावित स्थल का निरीक्षण कर कार्ययोजना एवं डिजाइन का अवलोकन किया तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

परियोजना के अंतर्गत प्रारंभिक चरण में पुरानी उपयोगी संरचनाओं का उन्नयन किया जाएगा, साथ ही स्थल समतलीकरण, सुदृढ़ सीमांकन दीवार एवं मुख्य द्वारों का निर्माण किया जाएगा। बेहतर आवागमन और जल निकासी के लिए नालियों का निर्माण भी किया जाएगा।

ऑक्सीजोन में हरित विकास (हॉर्टिकल्चर), लैंडस्केपिंग एवं आकर्षक पाथवे विकसित किए जाएंगे, जिससे यह क्षेत्र एक सुंदर और शांत वातावरण प्रदान करेगा। नागरिकों के लिए ओपन जिम, बैठने हेतु बेंच, गजेबो (विश्राम स्थल) तथा खेल मैदान में दर्शक मंच जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी, ताकि सभी आयु वर्ग के लोग इसका लाभ उठा सकें। इसके अतिरिक्त विद्युत व्यवस्था, आंतरिक एवं बाह्य जल आपूर्ति, ट्यूबवेल, शौचालय, गार्ड रूम एवं सेप्टिक टैंक जैसी मूलभूत सुविधाओं का भी विकास किया जाएगा।

परियोजना के सुचारू संचालन हेतु तीन वर्षों का रखरखाव प्रावधान भी शामिल किया गया है। परियोजना के अंतर्गत आसपास के क्षेत्र में एसएलआरएम सेंटर का निर्माण, मिल्क फैक्ट्री एवं सामुदायिक भवन का मरम्मत एवं नवीनीकरण, 10 दुकानों सहित फूड कोर्ट, पार्किंग क्षेत्र का विकास तथा अतिरिक्त बाउंड्री वॉल एवं गेट निर्माण जैसे कार्य भी किए जाएंगे। इससे यह क्षेत्र एक समग्र नागरिक सुविधा केंद्र के रूप में विकसित होगा।

निरीक्षण के दौरान क्षेत्र के युवाओं एवं निवासियों ने क्रिकेट सहित अन्य खेल सुविधाओं की मांग रखी, जिस पर वित्त मंत्री श्री चौधरी ने सकारात्मक रुख अपनाते हुए अधिकारियों को इन मांगों को प्राथमिकता में शामिल करने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर नगर निगम महापौर श्री जीवर्धन चौहान, सभापति श्री डिग्री लाल साहू सहित अन्य जनप्रतिनिधि, कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950